संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -262 सोमवार , 24 जुलाई 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

दिल्ली में उफनती यमुना के कारण गहराया बाढ़ का संकट

» लगातार खतरे के निशान से ऊपर बह रही नदी

» दिल्ली में फिर से बाढ़ का खतरा मंडरा रहा

» दिल्ली में फिर खतरे के निशाने से पार हुआ यमुना का जलस्तर

» जलस्तर बढ़ने से प्रशासन हुआ सतर्क, खाली कराए निचले इलाके

» अलर्ट पर गुजरात-महाराष्ट्र

नई दिल्ली,23 जुलाई 2023 (ए)। दिल्ली में यमुना के बढ़ते जलस्तर फिर से लोगों की परेशानियां बढ़ सकती है। रविवार शाम को यमुना का जलस्तर के बार फिर से खतरे के निशान को पार कर गया है। शाम छह बजे 206. 35 मीटर दर्ज किया गया है।

वहीं, जलस्तर को बढ़ता देख प्रशासन सतर्क हो गया है और घाटों के किनारे रहने व सोने वाले लोगों से घाट खाली कराने शुरू कर दिए गए हैं। पूर्वी दिल्ली जिला प्रशासन ने नावों से यमुना घाटों पर मुनादी शुरू कर दी है।

प्रशासन की अपील है कि घाटों पर रहने वाले लोग यमुना का जलस्तर बढ़ने पर इन्हें खाली कर सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं। साथ ही अपने मवेशियों को भी ले जाएं। वहीं, किसी भी प्रकार की अनहोनी को रोकने के लिए प्रशासन ने 24 नाव और 50 के करीब गोताखोर भी तैनात कर दिए हैं, ताकि आपात स्थिति में लोगों को निकालेंगे।

लोगों को दिया निचले इलाके खाली करने का निर्देश

बोट क्लब के इंचार्ज हरीश कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी के दिशा-निर्देशों पर यमुना का जलस्तर बढ़ने के कारण लोगों को घाटों को खाली करने के लिए कहा जा रहा है। बाढ़ आने पर पहले यह लोग चले गए थे, लेकिन अब यह फिर वापस आ गए और जलस्तर भी बढ़ रहा है।

रिहायशी इलाकों में पहले भी घुस चुका है बाढ़ का पानी

उन्होंने बताया कि यमुना का पानी इलाकों में न घुसे इसके लिए इस और कुछ कदम उठाए गए है। इसलिए बरसाती नालों को फिलहाल यमुना की तरफ से बंद कर दिया गया है। साथ ही ऐसे रास्ते जिनसे पानी कश्मीरी गेट और सिविल लाइंस इलाके में घुसा था वहां पर भी दो से तीन फिट की ऊंचाई पर मिट्टी के बोरे भी लगाए गए हैं, क्योंकि इन्हीं रास्तों के जरिए रिहायशी इलाकों में पहले पानी घुसा था।

गुजरात में भारी बारिश के चलते 302 सड़कें बंद, घरों में घुसा पानी; 700 से अधिक लोगों का रेस्क्यू

भारी बारिश के मद्देनजर गुजरात सरकार ने पोरबंदर और कच्छ से गुजरने वाले दो राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ-साथ 10 राज्य राजमार्गों को बंद कर दिया है। गुजरात के राहत आयुक्त आलोक पांडे ने लगभग 358 लोगों के सफल बचाव के साथ-साथ 736 लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों में पहुंचाने की पुष्टि की।

271 पंचायत सड़कों सहित कुल 302 सड़कें बंद हैं। आज तक, 736 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है। जूनागढ़ वलसाड, गिर-सोमनाथ, पोरबंदर और अन्य जिलों में बांध भरे हुए हैं। नर्मदा बांध वर्तमान में 67 प्रतिशत भर चुका है, अन्य बांध भी लबालब भर चुके हैं। लोगों के घरों में पानी पहुंच गया है।

भारी बारिश के मद्देनजर, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की नौ टीमों को सबसे अधिक प्रभावित जिलों में भेजा गया है। जूनागढ़, विशेष रूप से, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की दो-दो टीमों की सहायता से लाभान्वित हो रहा है, जो बचाव और राहत कार्यों में लगे हुए हैं। मौसम विभाग ने गिर-सोमनाथ, जूनागढ़, कच्छ, पोरबंदर, वलसाड और दक्षिण गुजरात के नवसारी समेत जिलों में रविवार को भी भारी बारिश जारी रहने की चेतावनी दी है।

अब हथियारबंद उपद्रवियों ने स्वतंत्रता सेनानी की 80 साल की विधवा को जलाया जिंदा

इम्फाल ,23 जुलाई 2023 (ए)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में 4 मई को दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने की घटना का वीडियो सामने आने के बाद अब एक और सनसनीखेज जातीय हिंसा का मामला सामने आया है। काकचिंग जिले में हथियारबंद उपद्रवियों ने एक स्वतंत्रता सेनानी की 80 साल की विधवा को उसके घर में बंद कर जिंदा जला दिया।

मेइती समुदाय की एस. इबेटोम्बी मैबी देश की आजादी की लड़ाई लड़ने वाले एस. चुराचंद सिंह की विधवा थीं जिनका 80 साल की उम्र में कुछ वर्ष पहले निधन हो गया था। सेरोउ थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, राजधानी इम्फाल से 48 किमी दूर स्थित सेरोउ गांव में 28 मई को उपद्रवियों ने उसे घर में बंद कर घर को आग लगा दी। चुराचंद सिंह नेताजी सुभाष चंद्र बोस की इंडियन नेशनल आर्मी के सदस्य थे। उन्हें पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने सम्मानित किया था। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने अप्रैल 1997 में उन्हें नेताजी पुरस्कार प्रदान किया था।

इबेटोम्बी मैबी की जली हुई हड्डियां और खोपड़ी, घर में आधी जली तस्वीरें, चुराचंद सिंह के मेडल और स्मृति चिह्न, कई कीमती सामान और घरों की दीवारों पर गोलियों के निशान ढाई महीने पहले राज्य में शुरू हुई हिंसा की भयावहता की एक जिंदा तस्वीर बयां करते हैं। इबेटोम्बी मैबी की बहु एस. तम्पकसाना ने कहा, जब भारी मात्रा में हथियारों से लैस उपद्रवियों ने हमारे घर पर हमला किया तो मेरी सास ने मुझे और पड़ोसियों को वहां से भाग जाने के लिए कहा। उन्होंने हमसे उपद्रवियों के जाने के बाद आने या किसी और को भेजने लिए कहा ताकि हम उन्हें बचा सकें। उम्रदराज होने के कारण वह भाग नहीं सकती थीं। मैं और पड़ोस के तीन परिवार भाग गए।

उसने कहा कि कुछ घंटों के बाद उसने इबेटोम्बी मैबी के रिश्तेदार 22 वर्षीय प्रेमकांत मेइती से उसे बचाने के लिए कहा। मेइती ने कहा कि जब वह कुछ अन्य लोगों के साथ उसे बचाने के लिए मौके पर पहुंचे, तो आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया था और बुजुर्ग महिला की जलकर मौत हो गई। बचाव दल को भी तुरंत भागने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि हमलावरों ने फिर से गोलीबारी शुरू कर दी और वह भी गोलियों की चपेट में आ गया।

150 फुट गहरे बोरवेल से जिंदा लौटा शिवम

» 8 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित निकाला गया मासूम

पटना ,23 जुलाई 2023 (ए)। बिहार के नालंदा जिले में करीब 150 फीट गहरे बोरवेल में फंसे मासूम को 8 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। मासूम को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नालंदा के कुल गांव में जिला प्रशासन की देख-रेख में यह रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। एनडीआरएफ की टीम ने बच्चे को सुरक्षित निकाला। बच्चे को सुरक्षित निकाले जाने के बाद नालंदा के एनडीआरएफ अधिकारी रंजीत कुमार ने बताया कि बच्चा ठीक है और उसे बचा लिया गया है। उसे अभी अस्पताल भेजा गया है। हमें उसे बचाने में करीब 5 घंटे लग गए। जानकारी के मुताबिक मासूम की उम्र 4 साल है। बच्चे का नाम शिवम बताया जा रहा है। बच्चे की मां का कहना है कि उसका बच्चा गांव के ही अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था और वह पास ही खेत में काम कर रही थी। इसी बीच उसे पता चला कि वह खेलते-खेलते ही बोरवेल में गिर गया।बच्चे के बोरवेल में गिरने की जैसे ही सूचना मिली पूरे गांव में अफरातफरी मच गई। स्थानीय प्रशासन सतर्क हो गया। पुलिस बल फौरन मौके पर पहुंच गया। जेसीबी मशीन मंगवाई गई थी

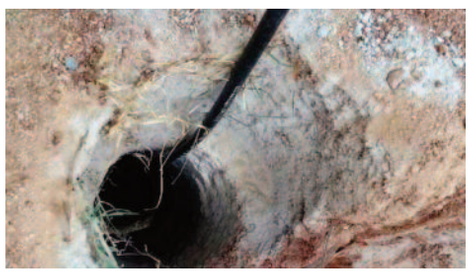

बाद नालंदा के एनडीआरएफ

पंजाब में अकाली नेता हेरोइन तस्करी में गिरफ्तार

कई बड़े हेरोइन तस्करों के साथ संपर्क

अमृतसर ,पटना ,23 जुलाई 2023 (ए)। पंजाब के अमृतसर कमिशनरेट के सीआइए स्टाफ ने रविवार को शिरोमणि अकाली दल के स्टूडेंट ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडिया (एसओआई) अमृतसर के जिला प्रधान तेजबीर सिंह को नंगली से हेरोइन तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।पुलिस को आशंका है कि आरोपित तेजबीर सिंह पिछले कई सालों से हेरोइन तस्करी में लिप्त है और उसके पंजाब में कई बड़े हेरोइन तस्करों के साथ संपर्क हो सकते हैं। पुलिस ने तेजबीर सिंह को ड्यूटी मैजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया जहां कोर्ट ने उसे दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक सीआइए स्टाफ ने बीती रात हाउसिंग बोर्ड कालोनी निवासी गुरजीत सिंह को 110 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया था। आरोपित ने पूछताछ में स्वीकार किया था कि वह नंगली गांव निवासी अकाली नेता तेजबीर सिंह के इशारे पर हेरोइन तस्करी का कारोबार कर रहा है। इसी आधार पर पुलिस ने रविवार की सुबह छापामारी कर तेजबीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

नवीन पटनायक बने देश में सबसे लंबे समय तक रहने वाले दूसरे नंबर के सीएम

नई दिल्ली ,23 जुलाई 2023 (ए)। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक देश के दूसरे सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री पद पर रहने वाले नेता बन गए हैं। वह ओडिशा के पांच बार मुख्यमंत्री रहे। नवीन पटनायक ने 5 मार्च 2000 को मुख्यमंत्री पद कार्यभार संभाला था और 23 साल और 139 दिनों तक इस पद पर रहे। अब उनसे आगे सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग हैं जो 24 साल से अधिक तक सीएम पद पर रहे।

नवीन पटनायक ने पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु का रेकॉर्ड तोड़ा है। बसु ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में 21 जून 1977 से पांच नवंबर 2000 तक अपनी सेवाएं दी थी और उनका कार्यकाल 23 वर्ष और 137 दिन का था। किसी राज्य के लगातार पांच बार मुख्यमंत्री बनने वाले नेताओं में चामलिंग और बसु के बाद पटनायक तीसरे नेता हैं। अगर सत्तारूढ़ बीजू जनता दल 2024 का विधानसभा चुनाव जीतती है, तो पटनायक भारत में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री के पद पर रहने वाले शख्स होंगे।

नवीन पटनायक 76 साल के हैं। 1997 में नवीन के पिता व पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक की मृत्यु के बाद उनके विरोधियों ने उन्हें नौसिखिया कहकर खारिज कर दिया था। मगर आज उन्होंने इन सभी को प्रशंसा के साथ शांत बैठने के लिए मजबूर कर दिया है। वह लगातार अपने विरोधियों को ध्वस्त करते जा रहे हैं।

महिलाओं को टिकट देने में दोनो दलों ने बनाई दूरी

» यूं तो घर से लेकर बाहर तक महिलाएं हर किरदार में सफल नर आती हैं लेकिन अमूमन ऐसा होता है कि महिला सशक्तिकरण का ज़िक्र छिड़ते ही हमारे ज़ेहन में उन सफल महिलाओं की तस्वीरें उभरने लगती हैं जो या तो किसी मल्टीनेशनल कंपनी की सीईओ जैसे महत्वपूर्ण पदों पर शोभायमान हैं। या कोई बड़ी सामाजिक कार्यकर्ता या फिर कोई सेलिब्रेटी

» जबकि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए महिला सशक्तिकरण बहुत जरूरी है...महिलाओं को सशक्त बनाने का अर्थ है आधी आबादी को सशक्त बनाना,जिससे बेहतर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं... सशक्त महिलाएं अपने परिवारों, समुदायों और अर्थव्यवस्था में योगदान करने की अधिक संभावना रखती हैं...

सिर्फ नाम का महिला सशक्तिकरण,30 सालों में एक भी महिला विधायक नहीतो क्या.! महिला प्रधान समाज की बातें मह भाषणों तक सीमित. ?

कोतमा व अनुपपुर में दमदार मौजूदगी

-अरविन्द द्विवेदी-
अनूपपुर,23 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।

हर क्षेत्र में महिलाओं को आगे लाने व उनके सशक्तिकरण की भले ही बड़ी-बड़ी बातें राजनैतिक दलों द्वारा की जाती हों, लेकिन जब महिलाओं को आगे लाने की बात होती है तो सभी राजनैतिक दलों के हाथ तंग हो जाते हैं। चाहे वह चुनाव में टिकट देने का मामला हो या फिर संगठन में पद देने का। इस मामले में सबसे कंजूस राजनैतिक दल भाजपा है। पिछले चुनाव में राजनैतिक दलों द्वारा जिले में महिलाओं को टिकट देने की बात की जाए तो यहां की तीन विधानसभा सीटों में दोनो दलों ने महिला उम्मीदवारों को चुनावी समर में नही उतारा था।

महिला उम्मीदवार को कब मिलेगा मौका ?

2003 से लेकर 2018 तक के विधानसभा चुनाव में यदि जिले में भाजपा, कांग्रेस जैसे प्रमुख राजनैतिक दलों द्वारा चुनावी मैदान में उतारी गई महिलाओं की बात करें तो जिले में तीन विधानसभा सीटें हैं जिनमें महिलाओं को भाजपा व कांग्रेस ने टिकट देने से महरूम कर दिया। जबकि इन जगहों पर महिला नेत्रियों के द्वारा लगातार अपनी दावेदारी, अपने-अपने दल में पेश की जा रही थी। किंतु संगठन ने सिरे से नकारा जिसके फलतः विधायक बनने का मौका उन नेत्रियों को नही मिला है।

महिला प्रत्याशी मांग रही हैं अपना हक

2018 के विधानसभा चुनाव में वैसे तो सभी की निगाहें भाजपा, कांग्रेस के उम्मीदवारों पर थी। लेकिन जब प्रत्याशी के नामों की घोषणा हुई तो एक बार फिर दोनो दलों ने महिला दावेदारों को दरकिनार करते हुए पुरुषो पर ही दांव लगाया था। लेकिन अब एक बार फिर चुनावी बेला आ रही है और गुजरे कल को पीछे छोड़ते हुए इस बार महिलाओं ने दलों में अपनी-अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए नेतृत्व महिलाओं को देने की बात की है।

नज़रअंदाज करना पड़ सकता है मंहगा

आगामी विधानसभा चुनावों में युवाओं को रिझाने के लिए राजनीतिक दलों की कोशिश बड़े पैमाने पर जारी है। लेकिन यह दुःख की बात है कि वे महिला मतदाताओं का समर्थन पाने के लिए बहुत कुछ नहीं कर रहे हैं। अगर युवा मतदाताओं की संख्या इन चुनावों में राजनीतिक दलों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है तो उनके पास महिला मतों को अपनी ओर मोड़ने और इसके लिए कोशिश करने की कई वजहें हैं। ज़्यादातर सीटों में महिला मतदाताओं की संख्या लगभग आधी या इससे थोड़ी ही कम है। अगर मसला भागीदारी के स्तर का है तो वोट देने के मामले में महिलाएं युवाओं से आगे रहती हैं। इस तरह किसी राजनीतिक दल की चुनावी सफलता में युवाओं के बजाए महिला मतदाता अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। ऐसे में राजनीतिक दलों को महिला वोट पाने के लिए गंभीर प्रयास करने चाहिए, लेकिन वे टिकट बांटते समय महिला उम्मीदवारों को नज़रअंदाज करते हैं।

भाजपा कोतमा में **ज्योति सोनी** ने हमसे बात करते हुए कहा कि वह वर्तमान में जिला महामंत्री है और पार्टी उन्हे मौका देती है तो वह निश्चित हीं जनता के आशीर्वाद से सेवा के लिए तत्पर रहेगी। आपको बताते चले कि ज्योति सोनी पूर्व में जनपद सदस्य भी रह चुकी हैं साथ ही भाजपा में लंबे समय से जुड़ी हुई है और वह कोतमा विधानसभा से दावेदारी कर रही हैं। वही पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष **उमा राजेश सोनी** ने भी कोतमा सीट पर अपना दावा किया है। उनके पास अनुभव के नाम पर कोतमा नपा में किया गया कार्य है, साथ ही पूरे विधानसभा में इनकी अपनी टीम भी है जो उन्हें मजबूत बनाती है। वही कांग्रेस की बात करे तो अभी तक कोतमा से **वैशाली ताम्रकार** के अलावा कोई बड़ा नाम सामने नही आ रहा है। यदि भाजपा ने कोतमा से महिला प्रत्याशी को मौका दिया तो फिर कांग्रेस भी वैशाली ताम्रकार को आगे करके इस चुनाव को दिलचस्प कर सकती है। वहीं अनुपपुर विधानसभा की बात करे तो कांग्रेस से ममता सिंह (पूर्व जनपद अध्यक्ष) लगातार टिकट की मांग कर रही हैं। उन्होंने पिछले उपचुनाव में भी संगठन में अपनी बात प्रमुखता से रखी थी। कांग्रेस ने यदि महिला प्रत्याशी पर भरोसा किया तो **ममता सिंह** अनुपपुर के लिए कांग्रेस का चेहरा बन सकती हैं। बात अगर भाजपा की करे तो अनुपपुर विधानसभा से **गुड़िया रोतेल** ने अपनी दावेदारी संगठन में की है। वह लगातार पार्टी के तमाम पदों में रहते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज कराती आई हैं। ऐसे में भाजपा सरकार विरोधी माहौल में नए चेहरे पर दांव लगाकर अपनी नैया पार लगाने का प्रयास भी कर सकती है। बहरहाल देखना होगा कि महिला सशक्तिकरण की पैरवी करने वाले दल आने वाले विधानसभा चुनाव में महिलाओं को कितना सशक्त बनाते हैं।

आतंकी हमले और पीएमके नेता की हत्या के मामले में एनआईए सख्त

» देशभर में 25 जगहों पर की छापामारी

नई दिल्ली ,23 जुलाई 2023 (ए)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) रविवार को तमिलनाडु में 24 जगहों पर छापेमारी और तलाशी ले रही है। एनआईए के सूत्रों ने बताया कि राज्य और केंद्रीय एजेंसियों ने राज्य में कई सामाजिक संगठनों के बैनर तले प्रतिबंधित पीएफआई के फिर से संगठित होने के खिलाफ अलर्ट दिया है। पिछले साल दिवाली की पूर्व संध्या पर हुए कार बम विस्फोट में 29 वर्षीय एक युवक की जलकर मौत हो गई थी, इसके

छापेमारी 2019 में पीएमके नेता के. रामलिंगम की हत्या से संबंधित है। तिरुनेलवेली जिले में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) नेता मुबारक के आवास पर भी छापेमारी की जा रही है।

गौरतलब है कि प्रमुख जांच एजेंसी ने इस्लामिक संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर प्रतिबंध के बाद तमिलनाडु में कई छापे मारे हैं। बाद केंद्रीय एजेंसियों ने राज्य में इस्लामी ताकतों के खिलाफ अपनी कार्रवाई बढ़ा दी है।

वहीं, दूसरी ओर एनआईए ने हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) आतंकी साजिश मामले में फरार चल रहे एक आरोपी के आवासीय परिसर पर भी छापा मारा है। यह छापेमारी जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के रहने वाले रियाज अहमद उर्फ हजारी के घर पर की गई।

संपादकीय

जागो देश जागो

उस इको-सिस्टम को मणिपुर में किसने चलते रहने की इजाजत किसने दी है, जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं हुई हैं और उन पर अपेक्षित प्रशासनिक प्रतिक्रिया नजर नहीं आई है? अब हकीकत यह है कि पानी सिर के ऊपर से गुजर रहा है।

वायरल हुए मणिपुर के वीडियो से यह सवाल उठा है कि क्या इस देश के कर्ता-धर्ताओं और नागरिक समाज में रत्ती भर भी शर्म बची है! दो महिलाओं को नंगा घुमाया गया, संभवतः उनसे सामूहिक बलात्कार किया गया, पुलिस ने इसकी शिकायत दर्ज की, इसके बावजूद ढाई महीने तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई, तो क्या यह सिर्फ संयोग है? या मणिपुर की सरकार और वहां कानून लागू करने के लिए जिम्मेदार एजेंसियों का इतना सांप्रदायीकरण हो गया है कि वे ऐसे भयानक-बर्बर कृत्य को भी सांप्रदायिक नजरिए से ही देखते हैं? मणिपुर में ढाई महीने से हिंसा जारी है और इस दौरान महिलाओं के साथ यौन हिंसा भी हुई है, ऐसी खबरें मीडिया में आती रही हैं। यह सोच कर विवेक भोथरा हो जाता है कि ऐसी खबरों के बावजूद देश के प्रधानमंत्री ने इस पर आज तक मणिपुर की स्थिति पर अपनी जुबान नहीं खोली है। ताजा वीडियो के बाद सरकार की तरफ से केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का बयान जरूर आया है। लेकिन उससे भी इस बात का जवाब नहीं मिलता कि ऐसी घटनाओं के लिए जवाबदेह कौन है?

उस इको-सिस्टम को वहां चलते रहने की इजाजत किसने दी है, जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं हुई हैं और उन पर अपेक्षित प्रशासनिक प्रतिक्रिया नजर नहीं आई है? मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक वीडियो में दर्ज घटना फेक न्यूज का नतीजा था। एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल किया गया, जिसमें एक महिला लाश बोरे में बंद थी। उसे मैतेई महिला बताया गया, जबकि बाद में स्पष्ट हुआ कि वह दिल्ली में हुई एक हत्या की शिकार हुई महिला की तस्वीर थी। लेकिन तब तब फेक न्यूज अपना काम कर चुका था। मैतेई समुदाय का एक समूह कूकी महिलाओं से बदला लेने के लिए सामूहिक बर्बरता पर उतर आया था। तो यह सवाल भी प्रासंगिक है कि फेक न्यूज के कल्चर को किसने संरक्षण दिया है? बहरहाल, बात यह है कि पानी अब सिर के ऊपर से गुजर रहा है। अगर इसके खतरों को अब भी नहीं समझा गया और देश की शर्म नहीं जागी, तो सामूहिक रूप से डूबने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा।

अभी और कितना जलेगा मणिपुर

मणिपुर देश के पूर्वोत्तर में स्थित एक महत्वपूर्ण राज्य है। जिसकी सीमा पड़ौसी देश म्यांमार से लगती है। पिछले 3 महीनों से मणिपुर राज्य अंदरूनी हिंसा से जूझ रहा है। यहां की आबादी के दो प्रमुख समुदाय मैतई व कुकी जनजाति के मध्य जातीय संघर्ष छिड़ा हुआ है। जिसमें अब तक सरकारी आंकड़ों के अनुसार 160 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है व 450 लोग घायल हो चुके हैं। तीन महीने बीत जाने के बाद भी आपसी संघर्ष रुकने का नाम नहीं ले रहा है। मणिपुर में 2017 से भाजपा के एन बीरेन सिंह मुख्यमंत्री है। लेकिन इस समय एन बीरेन सिंह की सरकार वहां की हिंसा पर नियंत्रण करने पर पूरी तरह से विफल साबित हो रही है। हर दिन हो रही आपसी मारकाट के चलते मणिपुर का जनजीवन पूरी तरह से ठप्प हो गया है।

हाल ही में एक पुरानी घटना का वीडियो सामने आया था। जिसमें कुछ महिलाओं के साथ मैतई समुदाय के लोगों ने बलात्कार कर उनको नंगा घुमाया था। इस घटना के सामने आने के बाद पूरा देश खुद को शर्मसार महसूस कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस घटना पर स्वतः प्रसंज्ञान लेते हुए केंद्र व राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि मणिपुर में शांति बहाली की दिशा में त्वरित कार्यवाही की जाए। विपक्षी दलों के नेता लंबे समय से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर रहे हैं।

प्रदेश में चल रही अशांति के चलते मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह कुछ समय पूर्व राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपने जा रहे थे तो रास्ते में महिलाओं के समूह ने एकत्रित होकर उनके इस्तीफे को छीनकर फाड़ दिया था। विपक्ष द्वारा उस घटना को सरकार द्वारा प्रायोजित घटना बताई जा रही है। वही उस घटना के बाद मुख्यमंत्री ने कहा था कि वह प्रदेश को आपसी संघर्ष की आग में जलता हुआ छोड़कर अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोडेगें।

सुप्रीम कोर्ट के प्रसंज्ञान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मणिपुर

की घटनाओं की निंदा करते हुए गहरा दुख प्रकट किया है। उन्होने कहा किसी भी अपराधी को बक्सा नहीं जाएगा। मणिपुर की पुलिस भी आपसी जातीय गुटों में बंट चुकी है। पुलिस के जवान पुलिस थानों से आधुनिक हथियार छीनकर एक दूसरे के खिलाफ उपयोग कर रहें हैं। राज्य सरकार शांति बहाली की प्रक्रिया में पूरी तरह असफल रही है। ऐसे में केंद्र सरकार को त्वरित कार्यवाही करते हुए मणिपुर में शांति बहाली हो इस दिशा में तेजी से काम करना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वयं आगे आकर सभी विपक्षी दलों के नेताओं से मणिपुर की स्थिति को लेकर चर्चा कर उनके सुझाव लेने चाहिए। मणिपुर से म्यांमार की 350 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है। जिसके ज्यादातर हिस्से में किसी तरह की फेंसिंग नहीं होने के कारण लोगों का बिना किसी डर के आना जाना लगा रहता है। म्यांमार में सेना द्वारा तख्ता पलटने के बाद बड़ी संख्या में वहां से शरणार्थियों ने पलायन कर मणिपुर में घुसपैठ कर ली है। जिससे भी मणिपुर की स्थिति और अधिक खराब हो गयी है। म्यांमार से आने वाले शरणार्थियों का मणिपुर के कुकी लोगों के साथ जुड़ाव होने के चलते मैतई लोगों में भय है कि शरणार्थियों के कारण कुकी लोगों की आबादी बढ़ने से वह बहुसंख्यक बन जाएंगे।

मणिपुर की आबादी करीब 38 लाख है। यहां तीन प्रमुख समुदाय मैतेई, कुकी और नगा है। मैतई ज्यादातर हिंदू हैं। कुकी-नगा ईसाई हैं व एसटी वर्ग में आते हैं। मैतई आबादी करीब 55 प्रतिशत है जो इम्फाल घाटी में रहते हैं। वहीं कुकी-नगा आबादी करीब 45 प्रतिशत है। जो ज्यादातर पहाड़ों में रहते हैं। मैतई समुदाय ने मणिपुर हाईकोर्ट में याचिका लगाकर उन्हें भी जनजाति का दर्जा देने की मांग की थी। उनकी दलील थी कि 1949 में मणिपुर का भारत में विलय होने से पहले उन्हें जनजाति का दर्जा मिला हुआ था। इसके बाद हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से सिफारिश की थी कि मैतेई को अनुसूचित जनजाति में शामिल किया जाए।

नगा-कुकी दोनों जनजाति मैतई समुदाय को आरक्षण देने के विरोध में हैं। आदिवासी समूहों को डर है कि यदि मैतई को विशेष दर्जा मिलता है तो उनका पहाड़ी क्षेत्रों पर भी कब्जा हो जाएगा। इनका कहना है कि राज्य की 60 में से 40 विधानसभा सीट पहले से मैतई बहुल इम्फाल घाटी में हैं। ऐसे में मैतई को एसटी का आरक्षण मिलने से उनके अधिकारों का बंटवारा होगा। मणिपुर के 60 में से 40 विधायक मैतई और 20 विधायक नगा-कुकी जनजाति से हैं। अब तक 12 में से दो ही मुख्यमंत्री नगा, कुकी जनजाति से रहे हैं।

मैतई और कुकी कि अलग-अलग संस्कृति और परंपरा है। विवाद के मूल कारण पहाड़ी बनाम घाटी की पहचान का संघर्ष और समान विकास नहीं होना है। मैतई राजनीतिक प्रभुत्व वाला समुदाय है जिनके कारण राज्य का विकास घाटी तक ही सीमित है। सरकारी नौकरियों में भी मैतई समुदाय का प्रभुत्व अधिक है। राज्य के कानून के कारण मैतई समुदाय के लोग पहाड़ों में जमीन नहीं खरीद सकते हैं। जबकि कुकी सहित अन्य जनजाति समूह के लोग राज्य के किसी भी हिस्से में जमीन खरीद सकते हैं। इसी कारण से मैतई लोगों को लगता है कि राज्य के कानून में जनजातियों को उनकी आबादी की तुलना में अधिक लाभ प्रदान किए गए हैं।

मणिपुर में चल रहे आपसी जाति युद्ध को समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार को मणिपुर के सभी समुदायों में विश्वास पैदा करना होगा। केंद्र सरकार को वहां के लोगों को यह बताना होगा कि किसी भी जाति, धर्म, समुदाय के लोगों के साथ भेदभाव नहीं होगा। उनके अधिकारों का किसी भी सूरत में हनन नहीं होने दिया जाएगा। केंद्र सरकार के बड़े नेताओं को मणिपुर जाकर शांति बहाली के प्रयास करने चाहिए।

आज मणिपुर में हिंसा की आग इतनी तेज हो गई है कि कोई भी राजनीतिक दल या नेता दिल्ली में बैठकर मणिपुर में शांति बहाल नहीं कर सकता है। अब तो मणिपुर के पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्री भी मणिपुर में चल रही हिंसा को लेकर चिंता जाहिर करने लगे हैं। उन्हें भी डर है कि यदि मणिपुर में भड़की हिंसा पर शीघ्र ही काबू नहीं पाया गया तो धीरे-धीरे उसका असर पड़ोसी राज्यों के लोगों पर भी पड़ने लगेगा। जिससे वहां भी कानून व्यवस्था की स्थिति व्याप्त हो सकती है।

विपक्षी दलों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो हमेशा शांति व भाईचारे की बातें करते हैं। वह पिछले तीन महीने से मणिपुर को लेकर चुप क्यों है। प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर की हिंसा को रोकने के लिए मणिपुर का दौरा कर वहां के लोगों से बात करनी चाहिए। उन्हें विश्वास देना चाहिए कि केंद्र सरकार वहां के लोगों के अधिकारों में किसी भी तरह की कटौती नहीं होने देगी। गृह मंत्री अमित शाह मई महीने में मणिपुर का दौरा कर विभिन्न समुदायों के लोगों से मिल चुके हैं। लेकिन उनके दौरे का मणिपुर में शांति बहाली के दिशा में कोई प्रभाव नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री को सामने आकर प्रदेश में शांति बहाली की प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी तभी मणिपुर में शांति बहाली हो पाएगी।

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

इंसानियत छोड़ रहा यह क्यों इंसान

इंसानियत छोंड़ रहा यह क्यों इंसान
फितरत छोंड़के,बन रहा क्यों हैवान।
दर-दर ठोंकरे खा रहा है यहाँ इंसान
इंसान तो इंसान,दर्द भी है हलाक़ान।
दर्द से चीखता और कराहता इंसान
आँखें रो रही हैं पर जुबां है बेजुबान।
हो गए हैं अब मुक दर्शक यह इंसान
नीति-नियति से,शून्य हो गई जहान।
कितना दर्द झेलेगा और सहेगा इंसान
यहाँ तो ये आँखें गड़ाए बैठा है शैतान।
क्यों बन गया है अब बेबस यह इंसान
कितनी लूटी जाएगी ये अस्मत ईमान।
दुष्ट-दुराचारियों का भेंट चढ़ता इंसान
खत्म हुई इंसानियत, जा रही है जान।

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायण छत्तीसगढ़

भोले बोल

मन ना हो कहीं डांवाडोल,
दिल से बस तू भोले बोल,
और नहीं कोई सुनने वाला,
इसीलिए तो भोले बोल।
मन ना हो कहीं ....
मस्त महीना सावान आया,
एक नहीं दो बार है आया,
मन भर मिल ले भोले से तू,
भंडारी भर-भर कर लाया।
मन ना हो कहीं ....
मेघों ने भी देखो कितना,
मिलकर जश्न मनाया है,
सावन की बातें सुन-सुन कर,
सबका दिल बहलाया है।
मन ना हो कहीं ....
बाग-बगीचे ताल-तलैया,
मन भर कर हर्षाए हैं,
भोले को आते जब देखा,
उमड़-घुमड़ कर आए हैं।
मन ना हो कहीं ....
हम-भी ना अब समय गवाएं,
झूम के नाचें और गाएं,
भोले के आने की खबरें,
दुनिया भर को हम बतलाएं।
मन ना हो कहीं ....

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर, इन्दौर, मध्यप्रदेश

बालकहानीःबादल और बच्चे

सावन का आठवाँ दिन था। सुबह की स्वर्णिम धूप बड़ी रमणीय थी। दोपहर होते तक वातावरण उमस हो गया। शाम तक नीलगगन में बदली छा गयी। अंधेरी रात और अधिक घनी होने लग गयी। मध्य रात को तेज हवा चलने लगी। आकाश में छाए बादलों के टुकड़े हिलने-डुलने लगे। न चाहते हुए भी उन्हें इधर-उधर होना पड़ा। अब तो बस तीन टुकड़े ही रह गये। दो बड़े और एक बहुत ही छोटा टुकड़ा। फिर तीनों टुकड़े भी उड़ने की तैयारी कर रहे थे, तभी छोटे टुकड़े बादल ने कहा- ÷पापा जी ! मैं यहाँ अकेला नहीं रहूँगा। मैं भी जाऊँगा आप दोनों के साथ।

नहीं बेटा ! तुम अभी बहुत छोटे हो। हवा भी तेज चल रही है। पता नहीं, हमारा कहाँ जाना होगा। तुम यहीं इधर-उधर होकर अपना समय बिताओ। पापा बादल ने अपने बेटे छोटकू बादल को समझाया।

नहीं जी, हम अपने बेटे को यहाँ अकेले नहीं छोड़ेंगे। आजकल हवा बहुत मनचली हो गयी है। उसका कोई ठिकाना नहीं है। इसे कब और कहाँ उड़ा कर ले जाय। इससे अच्छा हम इसे अपने साथ ले चलते हैं। मम्मी बादल बोली ।

आखिर छोटकू बादल का मम्मी-पापा के साथ जाना तय हो ही गया। तीनों बादल रातभर आकाश में उड़ते रहे। जंगल, झाड़ी, नदी, पहाड़-पर्वत से होकर एक गाँव में पहुँचे; तब तक सुबह भी हो गयी। गाँव वाले अपने-अपने काम में व्यस्त थे। तभी अचानक बादलों की नजर मैदान में खेल रहे बच्चों पर पड़ी। बच्चे उन्हें बड़े प्यारे लगे। जरा रुके; और उन्हें खेलते हुए देखने लगे। फिर वहाँ से उनकी चलने की तैयारी हो ही रही थी कि छोटकू बादल बोला- पापा जी ! मम्मी जी ! मैं यहीं रुक जाऊँ क्या ? इनके साथ मेरा खेलने का मन कर रहा है। इन्हें मैं अपना मित्र बना लूँ ?

तुम भी न...! पापा बादल ने मुस्कुराते हुए कहा।

ठीक है बेटा। पर इन बच्चों के पास मत जाना। वे डिस्टर्ब होंगे। यहीं से तुम उन्हें देखते रहना; और यहीं आसपास ही रहना। यहाँ से कहीं और दूसरी जगह बिल्कुल नहीं जाना। मम्मी बादल छोटकू के पास जाकर बोली। फिर मम्मी-पापा दोनों वहाँ से चले गये।

शोरगुल करते हुए बच्चे अपने में बड़े मस्त थे। उन्हें किसी से कोई मतलब नहीं था। मैदान के चारों ओर हरियाली थी। नीला आकाश बड़ा सुंदर लग रहा था। खेलते हुए बच्चों को देख छोटकू बादल का उनसे मिलने का मन कर रहा था। पर उसे अपने मम्मी-पापा की हिदायत याद थी। आखिर बच्चा बच्चा ही होता है। मन सच्चा भी होता है; और कच्चा भी। अब उससे नहीं रहा गया। उसने आवाज लगायी- मित्रों !

बच्चों ने एक अपरिचत आवाज सुनी। वे इधर-उधर देखने लगे। तभी अचानक उनकी नजर ऊपर आकाश की ओर गयी। उन्हें एक छोटा सा बादल दिखाई दिया। फिर एक ने पूछा- कौन...?

मैं छोटकू बादल हूँ।÷ ऊपर से आवाज आयी।

छोटकू बादल ! कौन छोटकू बादल ? बच्चों को आश्चर्य हुआ।

तुम सभी जैसा मैं भी एक बादल बच्चा हूँ। छोटकू बादल बोला।

तो तुम क्या चाहते हो हमसे ? बच्चे बोले।

मैं तुम सब से दोस्ती करना चाहता हूँ। मुझे भी अपना दोस्त बना लो। मैं तुम सब के साथ खेलना चाहता हूँ। छोटकू बादल ने अपनी मन की बात कही।

यह कैसे हो सकता है ? बच्चों का अचम्भित स्वर निकला।

हो सकता है मेरे मित्रों। देखो... ना गर्मी भी बढ़ रही है। तुम सब तक मेरे पहुँचने से वातावरण में नमी आयेगी। हल्की सी बारिश होगी। और फिर बारिश में भीगते हुए खेलने में बड़ा मजा आएगा। छोटकू बादल के मन में बड़ा उतावलापन था।

बारिश होगी तुम्हारे आने से; हम सबको बहुत मजा आएगा। वो कैसे भाई ? कुछ समय तक बच्चे खामोश रहे। आपसी सलाह-मशविरा हुआ; और फिर सबने हामी भर दी।

छोटकू बादल के धरती पर आते ही बच्चे खुशी से झूम उठे। खूब नाचे-कूदे। खूब किलकारी गूँजी। देखते ही देखते शाम होने लग गयी। वे अपने-अपने घर लौटने की तैयारी कर रहे थे, तभी छोटकू बादल ने उनसे कहा-मित्रों ! कल और आना। ठीक है। पर अब तुम क्या करोगे ? कहाँ जाओगे ? दो-तीन बच्चों ने पूछा।

देखो मित्रों, वातावरण में फिर ऊष्णता आ रही है। मैं अब वाष्प बनकर ऊपर जाऊँगा। मेरा अपने जल रूप से वाष्प बनना ही वाष्पीकरण है। कहते ही छोटकू बादल का पानी से वाष्प बनना शुरू हुआ।

अच्छा मित्र ! अब हम लोग भी चलते हैं। सी यू अगैन टुमॉरो। बॉय। कहते हुए बच्चे घर लौट गये।

इस तरह दूसरे दिन से रोज बच्चों और छोटकू बादल का मिलना-जुलना और खेलना-कूदना चलने लगा। छोटकू बादल और बच्चों की मित्रता प्रगाढ़ होती गयी। बच्चे बढ़ने लगे। छोटकू बादल का आकार भी बढ़ने लगा।छोटकू बादल को वहाँ से जाना उचित नहीं लगा। आसपास का क्षेत्र उसका निवास-स्थल हो गया। पूरे क्षेत्र में अच्छी बारिश होने लगी। खूब पेड़-पौधे उगने लगे। मिट्टी का कटाव बंद होने लगा। बारिश का पानी पर्याप्त मात्रा में जगह-जगह एकत्रित होने लगा; जिससे भूमि का जलस्तर बढ़ने लग गया। नदी-नाले, पोखर, कूप-सरोवर, जलपम्प सब लबालब होने लगे। लोगों को लगने लगा कि पेड़-पौधे अच्छी वर्षा होने में सहायक होते हैं। पानी और बारिश का महत्त्व लोग समझने लगे। जगह-जगह बांध बनवाये जाने लगे। वृक्षारोपण का काम युद्धस्तर पर होने लगा। अनावश्यक जलप्रवाह की रोकथाम की जाने लगी। कृषि उपज में वृद्धि होने लगी। पूरे अंचल में हरियाली व्याप्त होने लगी। सुख-समृद्धि बढ़ने लगी। लोगों का जीवन ही बदल गया।

टीकेश्वर सिन्हा
गब्दीवाला
घोटिया-बालोद
(छत्तीसगढ़)

चीरहरण को देख कर,दरबारी सब मौन

प्रश्न करे अँधराज पर,विदुर बने वो कौन

यहां बात सिर्फ आरोप-प्रत्यारोपों की नहीं है। सवाल सिस्टम के बड़े फेलियर का है। क्या सिर्फ वीडियो वायरल होने के बाद सरकार के संज्ञान में कोई घटना आएगी? उसका तंत्र क्या कर रहा है? के यों दो महीने तक कोई कार्रवाई नहीं हुई? के या लोगों की निशानदेही नहीं की जा सकती थी? ऐसे कई बड़े सवाल हैं। घटना का वीडियो बहुत परेशान करने वाला है। समाज में रहने वाला व्यक्ति इस वीडियो को देखते ही गुस्से से लाल हो रहा हैं, इतिहास साक्षी है जब भी किसी आतातायी ने स्त्री का हरण किया है या चीरहरण किया है उसकी क़ीमत संपूर्ण मनुष्य ज़ाति को चुकानी पड़ी है। हमें स्मरण रखना चाहिए- स्त्री का शोषण, उसके ऊपर किया गया अत्याचार, उसका दमन, उसका अपमान.. आधी मानवता पर नहीं बल्कि पूरी मानवता पर एक कलंक की भाँति है। एक समाज के रूप में क्या हम सचमुच मर गए हैं? एक पांचाली के चीरहरण से राजवंश नष्ट हो गए और यहाँ पार्टियों के पक्षकार अभी भी अपनी-अपनी दुकानों और मालिकों को जस्टिफ़ाई कर रहे हैं ? अब 'लोकतंत्र' के चार चरण विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका व पत्रकारिता को एक दूसरे के साथ लय से लय मिलाकर चलना होगा। तभी वे लोक को अमानुषिक कृत्यों के प्रलय के ताप से मुक्त कर पाएंगे।

महिलाओं के साथ अत्याचार कहीं नहीं होना चाहिए। लेकिन कम से कम मणिपुर कांड को इग्नोर मत कीजिए। दूसरे उदाहरण देकर मामले को हल्का मत कीजिए, वरना जब आज के दौर का इतिहास लिखा जाएगा तो यही कहा जाएगा कि देश के एक कोने में महिलाओं के कपड़े उतारे गए थे और लोग दूसरे राज्यों की तरफ मुंह करके खड़े थे। जब मणिपुर में महिलाओं का चीर हरण देखकर लोगों का खून खौल रहा है तो कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि राजस्थान और बंगाल में जब महिलाओं से अत्याचार होता है तो देश में इतना हंगामा क्यों नहीं होता? कुछ लोग टूलकिट एंगल भी ले आए हैं। मणिपुर कांड पर सवाल पूछने पर जवाब नहीं उल्टे आपसे ही सवाल पूछे जा रहे हैं कि तब कहां थे? तब क्यों नहीं लिखा? तब क्यों नहीं बोला? संसद में क्यों हंगामा नहीं हुआ? मतलब इस घिनौने कांड पर सियासी खेल शुरू हो

गया है। लोकतंत्र में सबको अपनी बात रखने का अधिकार है और एक पक्ष यह भी है। मान लेते हैं। लेकिन क्या इस तर्क के आगे दंडवत होकर हम सभी को मणिपुर से अपनी आंखें हटा लेनी चाहिए। क्या सभी को धृतराष्ट्र बन जाना चाहिए? शर्म है, कलियुग का ऐसा कालखंड आया है कि दुःशासनों की भीड़ इंसानियत की देह से कपड़े उतारती है और कोई उन्हें बचाने नहीं आता।

बचाना तो छोड़िए दो महीने तक गुस्सा भी नहीं दिखता। अगर सवाल का जवाब सवाल से ही देना है तब तो हर क्राइम के बाद यही कीजिए। न सरकार को कुछ कहने की जरूरत पड़ेगी, न पुलिस को। हर चीज का कारण तो होता ही है फिर सरकार का क्या रोल है? शासन-प्रशासन क्राइम को नहीं रोक सकता, अंकुश तो लगा सकता है न, चलिए मान लिया अंकुश न सही तो क्राइम होने पर अपराधियों को सजा तो दिलवा ही सकता है न। या फिर सब हवा हवाई है। राजस्थान हो या बंगाल, अगर वहां से भी वीडियो आया होता तो बेशक पूरे देश में गुस्सा देखा जाता और घटना होने पर गुस्सा देखा गया है। संसद तक हंगामा भी होता। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मणिपुर या दूसरे किसी राज्य में इस तरह की दरिंदगी को इग्नोर कर दिया जाए। जान लीजिए कि यह जनता की अति-अपेक्षा का ही नतीजा है कि लोग मणिपुर में इस तरह की सुस्ती की उम्मीद नहीं कर रहे थे। 9 साल में जनता ने यही जाना और समझा है कि यह सरकार पिछली सरकारों से ज्यादा सख्त और क्राइम-करप्शन पर जीरो टॉलरेंस के रास्ते पर चल रही है। वहां तो दो इंजन वाला फॉर्मूला भी था। केंद्र और राज्य में भी भाजपा की सरकारें हों तो फिर ताबड़तोड़ छापेमारी करने में दो महीने कैसे लग गए?

महिलाओं को नग्न अवस्था में घुमाने का वीडियो सामने आने के बाद पूरे देश में गुस्सा है। इसे लेकर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। चीफ जस्टिस ने कहा है कि ऐसी घटना को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। यह मानवाधिकारों और संविधान का सबसे बड़ा उल्लंघन है। इस मामले में उन्होंने सॉलिसिटर जनरल और अटॉर्नी जनरल को कोर्ट में पेश होने के लिए कहा है। इस घटना पर कोर्ट ने स्वत संज्ञान लिया है। यहां बात सिर्फ आरोप-प्रे यारोपों की नहीं है। सवाल सिस्टे टम के बड़े फेलियर का है। के या सिर्फ वीडियो वायरल होने के बाद सरकार के संज्ञान में कोई घटना आएगी? उसका तंत्र के या कर रहा है? के यों दो महीने तक कोई कार्रवाई नहीं हुई? के या लोगों की निशानदेही नहीं की जा सकती थी? ऐसे कई बड़े सवाल हैं। घटना का वीडियो बहुत परेशान करने वाला है सभी समाज में रहने वाला व्यक्ति इस वीडियो को देखते ही गुस्से से लाल हो रहा हैं, इतिहास साक्षी है जब भी किसी आतातायी ने स्त्री का हरण किया है या चीरहरण किया है उसकी क़ीमत संपूर्ण मनुष्य ज़ाति को चुकानी पड़ी है। हमें स्मरण रखना चाहिए- स्त्री का शोषण, उसके ऊपर किया गया अत्याचार, उसका दमन, उसका अपमान.. आधी मानवता पर नहीं बल्कि पूरी मानवता पर एक कलंक की भाँति है। एक समाज के रूप में क्या हम सचमुच मर गए हैं? एक पांचाली के चीरहरण से राजवंश नष्ट हो गए और यहाँ पार्टियों के पक्षकार अभी भी अपनी-अपनी दुकानों और मालिकों को जस्टिफ़ाई कर रहे हैं ? अब 'लोकतंत्र' के चार चरण विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका व पत्रकारिता को एक दूसरे के साथ लय से लय मिलाकर चलना होगा। तभी वे लोक को अमानुषिक कृत्यों के प्रलय के ताप से मुक्त कर पाएंगे। अब समय आ गया है जब सभी राजनीतिक दलों और राजनेताओं को, मीडिया हाउसेस व मीडिया कर्मियों को अपने मत-मतान्तरों, एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोपों को भूलकर राष्ट्र कल्याण, लोक कल्याण के लिए सामूहिक रूप से उद्यम करना होगा क्योंकि ये राष्ट्र सभी का है, सभी दल और दलपति देश और देशवासियों के रक्षण, पोषण, संवर्धन के लिए वचनबद्ध हैं।

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार
(हरियाणा)

अजादी के अमरीत उत्सव भारत देश मनात हे

साल पचहत्तर पूरा होगे झंडा तिरंग लहरात हे
लाल बाल अउ पाल भगत सिंह
बनके तँयहा ललकार भर
भीड़ जा आघू बघवा बनके
नाहर कस हूंकार कर
शेर के पीला कोलिहा नोहव काबर गा डर्रात हे
साल पचहत्तर पूरा होगे झंडा तिरंग लहरात हे
हिमालय चोटी म डटे हे
सेना वीर जवान मन
हरियर खेती डोली सम्हाले
मोर गंवइहा किसान मन
मिले किसान जवान संगी विज्ञान घलो इतरात हे
साल पचहत्तर पूरा होगे झंडा तिरंग लहरात हे
छत्तीसगढ़ महतारी हमरो
भारत माँ के दुलारी हे
दया के सुरती मया के मुरती
अपन जिनगी ले प्यारी हे
ए भुंइया मा जनम धरके भाग अपन सँहरात हे
साल पचहत्तर पूरा होगे झंडा तिरंग लहरात हे
कतको बीर बलिदानी होगे
लहू ले सींचिस भुंइया ल
आँचआवन नइ दिस बैरी के
रोक के रखदीस बंइहा ल
आइस हजारों आघू बैरी मिलके धूर्रा चटात हे
साल पचहत्तर पूरा होगे झंडा तिरंग लहरात हे
त्याग साहस नस मा भरलौ
शांति संदेश बगराना हे
सुख समरिद्धि रहे भुंइया मा
विश्व गुरु कहलाना हे
तोषण दिनकर के लेखनी अतरी मया बगरात हे
साल पचहत्तर पूरा होगे झंडा तिरंग लहरात हे

तोषण चुरेन्द्र दिनकर
धनगांव डौंडी
लोहारा छत्तीसगढ़

क्या आप इयरफोन का उपयोग करते हैं ?

आज के तकनीकी रूप से उन्नत युग में, युवा महिलाएं, युवा किशोर, यात्री और ड्राइवर कभी भी अपने कानों में इयरफ़ोन के बिना नहीं रहेंगे। क्या आप एक भारी इयरफ़ोन उपयोगकर्ता हैं? यदि हां तो निश्चित ही यह पोस्ट उपयोगी होगी।

सफर के दौरान कभी भी बिना ईयरफोन के कहीं न जाएं। खासकर जब बस में लंबे समय तक सफर करते हैं तो वे कानों में ईयरफोन लगाकर बातें करते हैं या गाने सुनते हैं। लेकिन इसके दुष्परिणामों के बारे में कोई नहीं सोचता. अगर वे इसके बारे में बात भी करेंगे तो वे इसे नजरअंदाज कर देंगे।

आमतौर पर आपको ईयर फोन को प्लग में लगाकर अधिकतम 20 से 30 मिनट तक बात करनी चाहिए। अगर हम ऊपर से ईयर फोन का इस्तेमाल करते हैं, तो ईयर फोन कान में कार्टिलेज नामक नरम हड्डी को दबाना शुरू कर देगा।

अगर आप लगातार लंबे समय तक ईयरफोन का इस्तेमाल करते हैं तो अलग-अलग वॉल्यूम से कानों तक पहुंचने वाली ध्वनि तरंगों के कारण कान की झिल्ली फट जाती है या ढीली हो जाती है।

लगातार ईयरफोन का इस्तेमाल न करें, हर घंटे पांच से दस मिनट तक ही इसका इस्तेमाल करें।

एक व्यक्ति द्वारा उपयोग किए गए इयरफ़ोन का उपयोग न करें। फिर भी, जीवाणु संक्रमण होने की संभावना है।

तेज आवाज में ईयरफोन लगाकर सुनने से बचें। यदि ध्वनि का स्तर 85 डेसिबल से अधिक है, तो इससे श्रवण हानि हो सकती है।

कान में डालते समय उसे एक तरफ कान के कोमल भागों में सूजन या छोटे-छोटे छाले होने की भी संभावना अधिक रहती है।

झुकाना चाहिए ताकि बाहर की हवा अंदर आ सके।

याद रखें कि आधुनिक प्रौद्योगिकी उपकरणों का उपयोग संयमित तरीके से करें।

ओत्तेरी सेल्वा कुमार

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

बांकी जलाशय में केवल 12 दिनों का ही बचा है पानी,उप मुख्यमंत्री ने किया निरीक्षण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 जुलाई 2023
(घटती घटना)

शहर को जलापूर्ति करने वाली बांकी जलाशाय में केवल 12 दिनों का पानी ही बचा है स्थिति की गंभीरता के मद्देनजर उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने बाकी जलाशय का निरीक्षण किया। उन्होंने पेयजल की निर्बाध आपूर्ति के लिए सूखने की कगार पर आ चुके बांध बांध में युद्धस्तर पर काम शुरू करने का निर्देश दिया। अल्प वर्षा की स्थिति से शहर में जल संकट की खबर पर देर शाम अंबिकापुर पहुंचे उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने जलापूर्ति से जुड़े सभी विभागों की बैठक बुलाई थी, देर रात तक चली इस बैठक के बाद रविवार की सुबह उपमुख्यमंत्री सिंह देव ने बांकी डैम जाकर जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने डैम के अलग-अलग पॉकेट्स में जमा पानी को तकिया फिल्टर प्लांट तक लाने के लिए तत्काल पहल करने का निर्देश दिया। नगरनिगम, सिंचाई विभाग और पीएचई को समन्वय बनाकर युद्धस्तर पर काम शुरू करेंगे। उप मुख्यमंत्री सिंह देव ने बताया शहर के दस टंकियों को ट्यूबवेल के माध्यम से भरा जाता है। जबकि सात बड़े जलागार अमृत मिशन के माध्यम से घुनघुट्टा बांध से भरे जाते हैं। इन क्षेत्रों में दोनों समय जल आपूर्ति में कोई दिक्कत नहीं है। बांकी जलाशय से आपूर्ति वाले में क्षेत्रों में भी ज्यादा से ज्यादा जल आपूर्ति हो इसका प्रयास किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री सिंह देव ने कलेक्टर को निर्माण कार्य से जुड़े विभागों के समन्वय से तकिया फिल्टर प्लांट तक जलापूर्ति की व्यस्था बनाने कहा। इसके लिए उपकरणों और मिशनरी की व्यवस्था कर 24 घण्टे के भीतर काम शुरू करने निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान श्रम कल्याण मण्डल अध्यक्ष शफी अहमद, महापौर डॉ. अजय तिर्की, कलेक्टर कुंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार, जल संसाधन विभाग के ईई अरुण मिश्रा, सहित थर्मल पावर, पीएचई और नगरनिगम के तकनीकी अधिकारी साथ थे।

गागर से लाएंगे पीने का पानी

सिंचाई विभाग शहर में पेयजल की आपूर्ति के लिए बलरामपुर जिले के गागर नदी से नहर के माध्यम से पानी अम्बिकापुर तक लाने की योजना पर काम कर रही है। करीब साढ़े 19 किमी नहर के माध्यम से न सिर्फ अम्बिकापुर के लोगों को पीने का पानी मिलेगा बल्कि रास्ते में पडने वाले गांव के खेतों को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। भविष्य की इस योजना की स्वीकृति के लिए उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने पहल की है।

अभी भयावह स्थिति नहीं

बांकी बांध में कम जल भराव से स्थिति चिंताजनक तो है लेकिन भयावह नहीं है। एक समय जलापूर्ति के निर्णय के पीछे कारण डैम से फिल्टर प्लांट तक पानी का प्रेशर कम होना है। कम प्रेशर के चलते टंकी को पूरी तरह भरने में करीब 20 घण्टे का समय लगता है। आधी भरी टंकियों से जलापूर्ति करने में सप्लाई लाइन के अंतिम तक पानी नहीं पहुंच पाता है। एक सप्ताह में बांकी डैम के कैचमेंट एरिया में अच्छी बारिश हुई तो स्थिति में सुधार हो जाएगा।

पिता की हत्या करने वाले पुत्र को चौकी कुदरगढ़ पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,23 जुलाई 2023
(घटती घटना)

कल ग्राम कुप्पी चौकी कुदरगढ़ निवासी उजागिर सिंह ने चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि खेत में बिड़ा उखाड रहा था उसी दौरान भाई अजय ने आकर बताया कि अमर सिंह उर्फ बबलू के द्वारा अपने पिता मनिजर को खरदहा नाला के उपर डांड में जमीन संबंधी बात को लेकर डण्डा से मारकर हत्या कर दिया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 45/23 धारा 302 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला ने आरोपी को पकड़ने के निर्देश दिए। चौकी कुदरगढ़ की पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर दबिश देकर आरोपी अमर सिंह पिता स्व. मनिजर सिंह उम्र 35 वर्ष ग्राम कुप्पी को पकड़ा। पूछताछ पर उसने हत्या की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया जिसके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आलाजरब जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी कुदरगढ़ आर.सी.राय, प्रधान आरक्षक मुकेश यादव, राजेन्द्र कुमार, आरक्षक अमिताभ रावत व रामकुमार सक्रिय रहे।

सर्पदंश से वृद्ध महिला की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 23 जुलाई 2023 (घटती घटना)

अंबिकापुर। पति व बच्चों से अलग रह रही महिला 22 जुलाई की रात को सर्पदंश के शिकार हो गई थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शांति बाई उम्र 63 वर्ष गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम सुखरी की रहने वाली थी। वह पति व बच्चों से अलग सुखरी में मायके रहती थी। 22 जुलाई की रात को वह खाट पर सोई थी। रात करीब 11 बजे वह पड़ोस के युवक को बताई के मेरे दाहिने हाथ में कुछ काट दिया है। युवक जाकर देखा तो बिस्तर में डंडा करैत सांप था। सांप को किसी बर्तन से ढंक कर महिला को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सडक़ दुर्घटना में 4 वर्षीय बालक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 23 जुलाई 2023 (घटती घटना)

बाइक की टक्कर से चार वर्षीय बालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। परिजन उसे इलाज के लिए वाड्रफनगर अस्पताल में भर्ती कराया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने अंबिकापुर रेफर कर दिया। परिज उसे इलाज के लिए मिशन अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार आकाश पिता धर्मेन्द्र उम्र 4 वर्ष वाड्रफनगर थाना क्षेत्र के ग्राम बसंतपुर रामनगर का रहने वाला था। वह 22 जुलाई की शाम को बहन के साथ घर के बाहर सडक़ पर खेल रहा था। इस दौरान अज्ञात बाइक ने उसे टक्कर मारकर फरार हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए वाड्रफनगर अस्पताल में भर्ती कराया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने अंबिकापुर रेफर कर दिया। परिज उसे इलाज के लिए मिशन अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हाईकोर्ट के निर्देश के बाद जिला प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पक्षकार को बेशकीमती जमीन पर दिलाया कब्जा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 23 जुलाई 2023
(घटती घटना)

अंबिकापुर। कड़ी सुरक्षा के बीच हाई कोर्ट के आदेश पर जिला प्रशासन द्वारा विवादित जमीन पर पक्षकार को कब्जा दिलाया गया। कब्जा नहीं हटाने पर हाई कोर्ट ने एसडीएम व तहसीदार पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। वहीं कलेक्टर व एसपी को भी आदेश का पालन कराने के सख्त निर्देश दिए गए थे। इसके बाद जिला प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पक्षकार को कब्जा दिलाया गया। इस दौरान कब्जाधारी द्वारा किसी तरह का विरोध नहीं किया गया। विवाद की स्थिति की आशंका पर काफी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए थे। दरअसल शहर के बनारास रोड स्थित सुभाषनगर में श्रीम इंजीनियर्स एंड बिल्डर्स का 1.67 हेक्टेयर भूमि है। इस भूमि पर वर्षों से एक परिवार का कब्जा था। मामला हाईकोर्ट में चल रहा था। वर्ष 2022 में भी हाई कोर्ट ने श्रीम इंजीनियर्स एंड बिल्डर्स के पक्ष में फैसला सुनाया था और जिला प्रशासन को उक्त भूमि से कब्जाधारी को हटाकर पक्षकार को

कब्जा दिलाने का आदेश दिया गया था। वहीं कब्जाधारी के विरोध के कारण कब्जा नहीं हट पाया था। इसके बाद अतुल दुबे पुन- हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने कब्जा हटाने का आदेश जारी किया था। हाईकोर्ट ने एसडीएम व तहसीलदार को सख्त निर्देश देते हुए 26 जुलाई तक कब्जा हटवाकर पक्षकार को कब्जा दिलाने का निर्देश दिया था। वहीं हाई कोर्ट ने कलेक्टर व एसपी को भी आदेश का पालन कराने के निर्देश दिए थे। हाई कोर्ट के सख्त निर्देश के बाद जिला प्रशासन की टीम ने रविवार को पक्षकार को कब्जा दिलाया। हाई कोर्ट के निर्देश के बाद जिला प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रविवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पक्षकार को कब्जा दिलाया। इस दौरान विवाद की स्थिति को देखते हुए काफी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए थे। इस दौरान सीएसपी व अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। वहीं नगर निगम, राजस्व, विद्युत विभाग की टीम भी काफी सक्रिय रही। कब्जाधारियों ने भी कोर्ट के आदेश को पालन करते हुए किसी तरह का विरोध किए बगैर कब्जा हटा लिया।

उप मुख्यमंत्री ने संत मदर तेरेसा गोल्ड कप फुटबॉल प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 23 जुलाई 2023
(घटती घटना)

अंबिकापुर। प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी नावापारा चर्च मैदान में संत मदर तेरेसा गोलड कप फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ 23 जुलाई को मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री टीएस डृक्षसहदेव विशिष्ट अतिथि श्रम बोर्ड के अध्यक्ष शफी अहमद, महापौर डॉ. अजय तिर्की द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच सेंट जेवियर्स स्कूल

अंबिकापुर व फुटबॉल क्लब गंझाडांढ़ के बीच खेला गया। जिसमें दोनों टीम 2-2 गोल की बराबरी पर रही।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ्य शरीर के लिए खेल बहुत जरूरी है। खिलाडियों को खेल भावना के साथ खेलनी चाहिए। इस दौरान भूतपूर्व पार्षद प्रकाश राय, प्राचार्य सेंट जेवियर्स स्कूल अथनश टोप्पो, पूर्व जज अलबिनूस लकड़ा, यूसुफ लकड़ा, विवेक सिंह सहित काफी संख्या में फुटबाल खिलाड़ी शामिल रहे। विकास सेवा समिति के जगजीत मिंज, अरूझा मिंज, विनोद, किशोर खलखो, सुशिल मिंज एवं अन्य उपस्थित थे। कल का मैच डिगनगर राजपुर बनाम जीएल चर्चा गोधनपुर के बीच खेला जाएगा।

ईगल 2 अभियानः 14 स्थाई वारंटी पकड़ाए

संवाददाता-
अम्बिकापुर, 23 जुलाई 2023 (घटती घटना)। फरार वारंटियों की धरपकड़ के लिए सरगुजा पुलिस ईगल 2 अभियान चला रखी है। इस अभियान के तहत लगातार वारंटियों को पकडक़र न्यायालय में पेश किया जा रहा है। इसी के तहत थाना कोतवाली से 5, सीतापुर थाना से 3, थाना गांधीनगर से 2, लखनपुर से 2, कमलेश्वरपुर से 1, उदयपुर से 1 स्थाई वारंट को पकड़ा गया है। इन सभी थानों से कुल 14 स्थाई वारंट पकडक़र न्यायालय में पेश किया गया है।

एक ही रात तीन स्थानों से मोटर पंप चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 23 जुलाई 2023
(घटती घटना)

दरिमा थाना क्षेत्र में एक ही रात तीन अलग-अलग स्थान से मोटर पंप चोरी के मामले में पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिलकर दिया है।

जानकारी के अनुसार टपरकेला निवासी दिलीप कुजूर ने 22 जुलाई को दरिमा थाने में आकर रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 20 जुलाई को वह खेत को सिंचाई करने के लिए मोटर पंप लगाया था। रात में पंप को खेत में ही छोडक़र वापस घर चला गया। सुबह जाकर देखा तो खेत में मोटर पंप नहीं था। वहीं इसी क्षेत्र में दो अन्य जगहों से मोटर पंप चोरी होने

की बात रिपोर्ट में दर्ज कराया। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने संदेही सीडब्लु गिरी पिता समभजन गिरी उम्र 30 वर्ष साकिन नावानगर पखनापारा दरिमा, गुलाब गिरी पिता पंचराम गिरी उम्र 24 वर्ष साकिन सोनबरसा थाना दरिमा को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया तो दोनों ने टपरकेला गांव से तीन नग मोटर पंप चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी दरिमा निरीक्षक कैलाश मिर्रे, सहायक उप निरीक्षक राकेश मिश्रा, संदीप सिंह,प्रधान आरक्षक अजय पाण्डेय, आरक्षक विवेक राय ,अभय चौबे, संजय केरकेट्टा, सोहन राजवाड़े, शामिल रहे।

चोरी की वारदात को अंजाम देने वाला आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर, 23 जुलाई 2023
(घटती घटना)

ग्राम बरबसपुर थाना रामानुजनगर निवासी सुरेन्द्र साहू ने थाना रामानुजनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 21.07.23 को संजय मरावी व 1 अन्य व्यक्ति इसके घर के अंदर घुसकर नगदी रकम 20 हजार रूपये, सोने का झुमका 1 नग, सोने का टप्स 1 जोड़ी, सोने का मंगलसूत्र 1 नग को चोरी कर ले गए है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर धारा 454, 380 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला ने चोरी के दोनों आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी को लेकर थाना प्रभारी रामानुजनगर को निर्देश दिए। थाना रामानुजनगर की पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर दबिश देकर आरोपी संजय मरावी को पकड़ा। पूछताछ पर उसने बताया कि अपने 1 साथी के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी के निशानदेही पर ताला तोड़ने का औजार एवं घटना में प्रयुक्त मोटर

सायकल जप्त कर आरोपी संजय मरावी उर्फ संजू पिता स्व. जयलाल उम्र 25 वर्ष निवासी सारबहरा स्टेशन, थाना गौरेला, जिला जीपीएम को गिरफ्तार किया गया। मामले में फरार आरोपी की पतासाजी की जा रही है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी रामानुजनगर प्रकाश राठौर सहित उनकी टीम सक्रिय रही।

अज्ञात कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 23 जुलाई 2023 (घटती घटना)। सीतापर थाना क्षेत्र के बालमपुर स्थित एनएच 43 मुख्य मार्ग पर शनिवार की रात अज्ञात कारण ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरे को सीतापुर अस्पताल में चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार उदय दास पिता सुन्दर दास उम्र 24 वर्ष व विशाल दास पिता सत्यनारायण दास उम्र 25 वर्ष दोनों दोस्त थे। दोनों सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम तेलइधार के रहने वाले थे। दोनों शनिवार को बाइक से किसी काम से बस स्टैंड मंगारी गए थे। दोनों यहां से वापस लौट रहे थे। देर रात को एनएच-43 पर स्थित बालमपुर के पास सीतापुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कर ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में उदय दास की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि विशाल को गंभीर चोट आई थी। सूचना पर पहुंची सीतापुर पुलिस ने घायल युवक को इलाज के लिए सीतापुर अस्पताल भिजवाया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया।

CMYK

टॉयलेट जाने से रोका तो विमान के फर्श पर ही महिला ने कर दिया पेशाब

वॉशिंगटन। एयरलाइंस के कर्मचारियों ने एक महिला को टॉयलेट जाने से रोका तो उसने विमान के फर्श पर ही पेशाब कर दिया। इसके बाद क्रू मेंबर ने इसका वीडियो भी बनाया। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों के दौरान विमान के अंदर अभद्र व्यवहार की कई खबरें आ चुकी हैं। एक शख्स के दूसरे यात्री पर पेशाब करने, एयरलाइंस के यात्रियों को हवाईअड्डे पर छोड़ देने से लेकर फ्लाइट में महिला को बिच्छू के काटने जैसी कुछ असामान्य घटनाएं सामने आई हैं। अब ऐसी ही एक विचित्र घटना सामने आई है, जिसमें एक महिला ने कहा कि उसे उड़ान के दौरान प्लेन के फर्श पर 'पेशाब करने के लिए मजबूर' किया गया था। महिला ने दावा किया कि एयरलाइंस के कर्मचारियों ने उसे कई घंटों तक विमान के टॉयलेट का उपयोग करने से रोक रखा था। रिपोर्ट के मुताबिक, यह बेहद अपमानजनक घटना अमेरिका की स्पिरिट एयरलाइंस की एक उड़ान में हुई। महिला का दावा है कि उसने दो घंटे तक इंतजार किया, लेकिन उसके बाद 'और बर्दाश्त नहीं कर सकी।' इसलिए उसे विमान के फर्श पर पेशाब करने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालांकि इस दौरान केबिन क्रू के एक सदस्य ने इसका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। इस वीडियो के कैप्शन में कहा गया है कि '07/20/2023 स्प्रिट एयरलाइंस की उड़ान में एक महिला ने फर्श पर पेशाब कर दिया, क्योंकि वह उड़ान भरने के बाद टॉयलेट खुलने का इंतजार नहीं करना चाहती थी। इस बीच फ्लाइट अटेंडेंट ने कथित रूप से उस महिला से कहा कि उसे पानी पीना चाहिए 'क्योंकि आपके पेशाब से बदबू आ रही है। सोशल मीडिया पर शेयर एक छोटी सी क्लिप में महिला को हवाई जहाज के फर्श पर बैठकर चालक दल के सदस्यों के साथ बहस करते हुए देखा जा सकता है। इस वीडियो पर सोशल मीडिया के यूजर्स ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। एक यूजर ने कहा कि यह बेहद घृणित है। एक अन्य यूजर ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यहां तक कि मेरी बिल्ली भी बहुत साफ-सुथरी है और धैर्यपूर्वक अपने टॉयलेट के लिए ले जाने का इंतजार करती है।

शख्स को बाहर निकाला तो लगा दी बार में आग, 11 की मौत, 4 भर्ती

मेक्सिको। मेक्सिको में एक शख्स को छेड़खानी करने के दौरान बार से बाहर निकाला तो उसने बार में ही आग लगा दी। इसके बाद वहां चीख पुकार मच गई। आग लगने से 11 लोगों की जलकर मौत हो गई, जबकि चार जख्मी लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक शख्स को बार में महिला से दुर्व्यवहार करने के लिए बार से बाहर निकाला गया था। वह वापस आया और पूरे बार में ही आग लगा दी। पुलिस के अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आगजनी का यह मामला संयुक्त राज्य अमेरिका की सीमा से लगे मेक्सिको के उत्तरी राज्य सोनोरा के सैन लुइस रियो कोलोराडो शहर में शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात को हुआ। सोनोरा के राज्य अभियोजक के कार्यालय ने कहा कि बार में हुई आगजनी में 7 पुरुषों और 4 महिलाओं की जलने और दम घुटने से मौत हो गई। चार अन्य घायल हुए हैं, जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि हमलावर को महिलाओं के साथ असम्मानजनक व्यवहार करने के लिए बार से बाहर निकाला गया था- फिर वापस आकर उसने बार में आग लगा दी। शख्स ने बार पर कोई ज्वलंत वस्तु फेंकी, संभवत- वह मोलोटोव कॉकटेल था। राज्य के अटॉर्नी जनरल गुस्तावो रोमुलो सालास ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि मृत महिलाओं में से एक अमेरिकी नागरिक भी शामिल है। संभवतः दोहरी मैक्सिकन और अमेरिकन नागरिकता वाली महिला, और एक अन्य पीड़िता केवल 17 साल की थी, इस घटना में मारे गए हैं। शहर के मेयर सैंटोस गोंजालेज ने कहा कि संदिग्ध व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि संदिग्ध पुरुष अत्यधिक नशे में था, और वहां महिलाओं के प्रति अभद्र व्यवहार करने के कारण उसे बार से बाहर निकाल दिया गया था।

अश्वेत किशोर की याद में राष्ट्रीय स्मारक स्थापित करेंगे बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने शिकागो के अश्वेत किशोर एमेट टिल और उसकी मां मैमी टिल-मोबली की याद में इलिनॉइस और मिसिसिपी में तीन जगह पर राष्ट्रीय स्मारक स्थापित करने का फैसला किया है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एमेट पर 1955 में मिसिसिपी में एक श्वेत महिला को देखकर सीटी बजाने के आरोप लगे थे, जिसके बाद उसे अगवा कर प्रताड़ित किया गया था और उसकी हत्या कर दी गई थी। व्हाइट हाउस के अधिकारी ने बताया कि बाइडन इलिनॉइस और मिसिसिपी में तीन जगहों पर एमेट टिल और मैमी टिल-मोबली की याद में राष्ट्रीय स्मारक बनाने संबंधी उद्घोषणा पर मंगलवार (25 अगस्त) को दस्तखत करेंगे। अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर यह जानकारी दी, क्योंकि व्हाइट हाउस ने राष्ट्रपति की योजना की आधिकारिक तौर पर घोषणा नहीं की है। अधिकारी के मुताबिक, एमेट की याद में राष्ट्रीय स्मारक बनाने संबंधी उद्घोषणा पर दस्तखत के लिए 25 अगस्त की तारीख इसलिए चुनी गई है, क्योंकि अश्वेत किशोर का 1941 में इसी दिन जन्म हुआ था। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्मारक उन जगहों पर स्थापित किए जाएंगे, जहां एमेट ने अपनी जिंदगी के यादगार पल जिए थे, जहां उसके हत्यारों को दोषी ठहराया गया था और जहां उसकी मां ने अपने बेटे को न्याय दिलाने के लिए लंबा आंदोलन किया था।

ओपेनहाइमर पर विवाद का असर नहीं, 50 करोड़ से ज्यादा रह सकता है फर्स्ट वीकेंड

लॉस एजेलिस। ओपेनहाइमर पर विवादों का कोई असर नहीं पड़ा है। फिल्म शानदार कमाई कर रही है। सिलियन मर्फी स्टारर इस फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन यानी शनिवार को 17 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। फिल्म ने पहले दिन 14.50 करोड़ का बिजनेस किया था। इस तरह फिल्म ने सिर्फ दो दिनों में 31.50 करोड़ रुपए का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर लिया है। इस महीने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर हॉलीवुड फिल्मों का बोलबाला रहा। पहले मिशन इम्पॉसिबल-7 और अब ओपेनहाइमर भी शानदार कमाई कर रही है। पहले और दूसरे दिन के आंकड़ों पर बात करें तो ओमेनहाइमर ने मिशन इम्पॉसिबल-7 को पछाड़ दिया है। इंडस्ट्री ट्रैकर सेकनिक के मुताबिक फिल्म ने सिर्फ दो दिनों में 31.50 करोड़ रुपए कलेक्शन किया है। रविवार को लेकर अनुमान लगाया जा रहा है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 20 करोड़ तक का कारोबार करने में सफल हो जाएगी। इसके चलते फिल्म अपने पहले वीकेंड पर 50 करोड़ रुपए तक की कमाई कर सकती है। ऐसा संभव भी है क्योंकि फिल्म को ऑडियंस काफी ज्यादा पसंद कर रही है। डायरेक्टर क्रिस्टोफर नोलन की फिल्मों को भारत में काफी पसंद किया जाता है। सिलियन मर्फी फिल्म के लीड एक्टर हैं। ये फिल्म 21 जुलाई को रिलीज है। मिशन इम्पॉसिबल-7 12 जुलाई को रिलीज हुई थी। फिल्म को पांच दिनों का लंबा वीकेंड मिला था। पहले पांच दिनों में फिल्म ने 63 करोड़ रुपए की कमाई की थी। जबकि ओपेनहाइमर ने सिर्फ दो दिनों में 31.50 करोड़ कमा लिए हैं। मिशन इम्पॉसिबल-7 भारत में टॉम क्रूज की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। बॉर्बी ने शनिवार को 6.50 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसने भी दो दिनों में 11.50 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। दूसरी तरफ मिशन इम्पॉसिबल-7 ने एक हफ्ते का रन अकेले एंजॉय किया था।

चीन बना रहा अनोखा स्पेस प्लेन, अब 90 फीसदी सस्ता होगा स्पेस का सफर

बीजिंग। चीन द्वारा बनाए जा रहे अनोखे स्पेस प्लेन को यदि सफलता मिल गई तो 90 फीसदी स्पेस का सफर सस्ता हो जाएगा। गौरतलब है कि अंतरिक्ष में जाना आज के समय में बेहद महंगा पड़ता है। हालांकि अभी एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स ही ऐसे रॉकेट का प्रयोग करती है, जिन्हें फिर से इस्तेमाल किया जा सके। लेकिन चीन नए तरीके के हाइपरसोनिक स्पेसप्लेन पर काम कर रहा है, जो अगर बन गया तो अंतरिक्ष में जाना सस्ता हो जाएगा। इसके डिजाइन का हाल ही में टेस्ट टेस्ट चीन ने अपने अल्ट्रा शक्तिशाली हाइपरसोनिक विंड टनल में किया है। यह नया विमान वाणिज्यिक, टोही और सैन्य भूमिकाओं के लिए डिजाइन किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने दुनिया की सबसे शक्तिशाली पवन सुरंग का फुटेज जारी किया है। इसमें एक मदरशिप विमान से हवा में लॉन्च किए गए अंतरिक्ष यान का स्केल सेपरेशन दिखाया गया है। इस स्पेस प्लेन का डिजाइन 2019 में जारी किए गए एक डिजाइन जैसा दिखता है। हालांकि यह भी कहा गया है कि इससे ये नहीं मान लेना चाहिए कि दोनों टेस्ट आपस में जुड़े हुए हैं।

तेलअवीव में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए लोग।

फिर से धरती में 10,000 मीटर गहरी ड्रिलिंग कर रहा चीन

बीजिंग। मई में धरती की आंतरिक संरचनाओं का अध्ययन करने के नाम पर लगभग 10,000 मीटर गहरी ड्रिलिंग करने के बाद चीन ने इस साल अपना दूसरा अल्ट्रा-डीप ड्रिलिंग प्रोजेक्ट शुरू किया है। मगर इस बार चीनी परियोजना का इरादा कुछ अलग है। चीन धरती के नीचे बहुत ज्यादा गहराई में प्राकृतिक गैस भंडार का पता लगाने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक इस परियोजना का नेतृत्व चाइना नेशनल पेट्रोलियम कॉर्प (सीएनपीसी) ने किया है। सीएनपीसी ने 10,520 मीटर (लगभग 6.5 मील) की अनुमानित गहराई के साथ सिचुआन प्रांत में शेंडी चुआंके 1 कुएं की ड्रिलिंग शुरू की है। रूस में मौजूद कोला सुपरडीप बोरहोल को दुनिया का सबसे गहरा मानव निर्मित छेद होने का गौरव हासिल है, जो 12,262 मीटर की आश्चर्यजनक गहराई तक जाता है। जबकि चीन के झिंजियांग में पिछले कुएं का प्रायोगिक फोकस मुख्य रूप से ड्रिलिंग टेक्नोलॉजी का परीक्षण करना और पृथ्वी की आंतरिक संरचना पर डेटा जुटाना था। सिचुआन में वर्तमान परियोजना का उद्देश्य विशेष रूप से अल्ट्रा-डीप प्राकृतिक गैस भंडार की खोज करना है। चीन का सिचुआन अपने मसालेदार व्यंजनों, लुभावने पहाड़ी दृश्यों और पांडा के लिए मशहूर है। इसके साथ ही यहां चीन के कुछ सबसे बड़े शेल गैस भंडार भी मौजूद हैं। हालांकि इन गैस संसाधनों को निकालने में ऊबड़-खाबड़ इलाके और जटिल भूवैज्ञानिक स्थितियों के कारण कई चुनौतियां हैं। हाल के समय में ड्रैगन सरकार ने ऊर्जा कंपनियों से बिजली की कमी, भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों उतार-चढ़ाव के जवाब में घरेलू उत्पादन को बढ़ाकर ईंधन सुरक्षा बढ़ाने की अपील की है। अत्यधिक गहरे प्राकृतिक गैस भंडार की खोज इन चिंताओं को दूर करने और अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के देश के प्रयासों का हिस्सा है।

यूक्रेन में फिर हमले तेज, रूस की सेना ने चीनी दूतावास को ही उड़ाया, बढ़ा तनाव

-रूसी राष्ट्रपति पुतिन के सैनिकों की एक गलती से जिनपिंग को लगा बड़ा झटका

मॉस्को (एजेंसी)। यूक्रेन में फिर हमले तेज हो गए हैं। हालांकि इस बार रूसी सेना ने चीनी दूतावास को ही उड़ा दिया है। इससे राष्ट्रपति पुतिन और जिनपिंग के बीच तनाव बढ़ गया है। मिली जानकारी के अनसार यूक्रेन के ओडेसा शहर में रूस की सेना ने नए सिरे से हमले किए हैं। मगर इस बार एक ऐसी गलती हो गई है जिसकी सजा रूस और चीन की दोस्ती भुगत सकती है। ओडेसा में हुए हमलों के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सैनिकों ने गलती से चीनी वाणिज्य दूतावास के एक हिस्से को निशाना बना दिया। इस गलती के बाद चीन के साथ उसका गठबंधन खतरे में पड़ गया है। इस घटना पर यूक्रेन के रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव ने कहा है कि पिछली चार महीनों में कई बार चीन और रूस का गठबंधन खतरे में आया है। उन्होंने दोनों देशों के रिश्ते पर सवाल उठाने वाली कई घटनाओं का हवाला दिया। हालांकि इस घटना पर रूस की तरफ से अभी कुछ नहीं कहा गया है। ट्विटर पर रेजनिकोव ने लिखा, ?कि 16 मई को रूस ने किंझल मिसाइलों से कीव पर हमला किया जबकि चीनी राजदूत ली हुई यूक्रेन की राजधानी का दौरा कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने बताया 19 जुलाई को रूस ने 60,000 टन यूक्रेनी अनाज को नष्ट कर दिया जिसमें से कुछ को चीन को निर्यात होना था।

इसी तरह से ओडेसा पर रूसी मिसाइल और ड्रोन हमले के परिणामस्वरूप रिहायशी क्षेत्र में स्थित चीन के वाणिज्यक दूतावास की इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। उनका कहना था कि यह बिना किसी सीमा वाली दोस्ती का एक छोटा सा इतिहास है। फरवरी 2022 में पुतिन ने जब यूक्रेन पर हमले शुरू किए थे तो उसके कुछ हफ्ते पहले ही उन्होंने अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से मिल रहे थी। उस समय पुतिन ने ऐलान किया था कि दोनों देशों के बीच दोस्ती की कोई सीमा नहीं है। फिर भी चीन ने अपनी तटस्थता दोहराते हुए दोनों पक्षों से शांति समझौते पर सहमति के लिए बातचीत का आग्रह किया है। चीन के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि नखिमोवा लेन में चीनी वाणिज्यक दूतावास की एक इमारत पर हमला किया गया था। रूस ने मिसाइलों की बौछार से ओडेसा के दक्षिण-पश्चिमी बंदरगाह को निशाना बनाया था।

वहीं चीन का कहना था कि दूतावास के कर्मचारी बहुत पहले ही परिसर छोड़ चुके थे और किसी को चोट नहीं आई। उन्होंने एक बयान में कहा कि चीन घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहा है और संबंधित पक्षों के संपर्क में है। चीन का कहना है कि यूक्रेन में चीनी संस्थानों और नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए सभी जरूरी उपाय अपनाए जाएंगे। माना जा रहा है कि यह हमला इस हफ्ते की शुरुआत में हुए हमले का जवाब है। उस हमले में क्रीमिया को रूस से जोड़ने वाले केर्च पुल को निशाना बनाया गया था और यह गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है। ओडेसा में हमलों में कम से कम दो लोग मारे गए।

बढ़ता तापमान दुनिया के लिए बना खतरा, ले डूबेगी ग्लोबल वार्मिंग

-भारत को भी झुलसाएगी यूरोप और अमेरिका में कहर ढा रही भीषण गर्मी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। दुनिया के लिए बढ़ता तापमान बड़ा खतरा पैदा कर रहा है। वैज्ञानिक कह रहे हैं कि एक दिन ग्लोबल वार्मिंग पूरी दुनिया को ले डूबेगी। गौरमलब है कि यूरोपीय महाद्वीप में गर्मी हर दिन नए रिकॉर्ड बना रही है। इटली में तो झुलसाती गर्मी के कारण रोम समेत 16 शहरों में रेड अलर्ट तक जारी करना पड़ गया। वहीं, अमेरिका में भी लोगों को भयंकर गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, अफ्रीका से आने वाली गर्म हवाओं ने यूरोप में हालात बिगाड़ दिए हैं। वहीं, एशिया में चीन के लोगों को भीषण गर्मी न परेशान किया है। ऐसे में ये सवाल भी है कि आने वाले समय में भारत में भी तापमान बढ़ेगा और लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना होगा? मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, बहुत ज्यादा गर्म मौसम होने पर हीटवेव की स्थिति बन जाती है। हालांकि, ऐसे हालात लंबे समय तक नहीं रहते हैं। किसी भी क्षेत्र में हीटवेव के हालात तब बनते हैं, जब उस जगह का औसत तापमान बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। भारत में हीटवेव को तीन मानकों पर परखा जाता है। सबसे पहला, जब मैदानी इलाकों का तापमान 40 डिग्री से ज्यादा हो जाता है तो हीटवेव के हालात मान लिए जाते हैं।

वैज्ञानिक बताते हैं कि भारत में अगर तटीय इलाकों का तापमान 37 डिग्री के पार चला जाता है तो हीटवेव के हालात घोषित कर दिए जाते हैं। वहीं, पहाड़ी क्षेत्र का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो जाता है तो हीटवेव की स्थिति मान ली जाती है। फिलहाल भारत में मानसून की वजह से राहत है, लेकिन उमस से लोग परेशान हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, ऐसे हालात का प्रमुख कारण ग्लोबल वार्मिंग है। वहीं, वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं आखिर तापमान में लगातार बढ़ोतरी क्यों हो रही है? लगातार जलवायु परिवर्तन के कारण भारत भी हीटवेव की जद में हैं।

अब कनाडा में मूसलाधार बारिश से आई बाढ़

- हर तरफ तबाही का मंजर, कई लोग लापता

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा में मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ आ गई है. बाढ़ में दो बच्चों सहित कनाडा के चार लोगों के लापता होने की सूचना मिली है। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने कहा कि बच्चे एक कार में थे जो पानी में डूब गई थी। कार में सवार अन्य तीन लोग अपने आप को बचाने में सफल रहे। पुलिस एजेंसी ने कहा कि पूर्वी प्रांत में एक अलग घटना में एक युवक और एक व्यक्ति के समान परिस्थितियों में लापता होने की सूचना मिली थी। नोवा स्कोटिया में हो रही भारी बारिश के कारण सड़कें टूट गई हैं और घरों में पानी भर गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रीमियर टिम ह्यूस्टन ने एक समाचार ब्रीफिंग में बताया कि प्रांत में 24 घंटे से भी कम समय में लगभग 25 सेमी (10 इंच) बारिश हुई है, तीन महीने की बारिश के बराबर है। ह्यूस्टन ने प्रांत के कई इलाकों में आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी और निवासियों से लापता लोगों की तलाश में शामिल नहीं होने का आग्रह किया क्योंकि स्थितियां खतरनाक बनी हुई हैं। उन्होंने अनुमान लगाया कि पानी उतरने में कई दिन लगेंगे। विंडसर क्षेत्र में लोगों को आधी रात में जगह खाली करने के आदेश दिए गए-क्योंकि बाढ़ के कारण बांध टूटने का खतरा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक समय में 80,000 से अधिक लोग बिना बिजली के रह रहे हैं. प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि वह बाढ़ को लेकर बहुत चिंतित हैं और उन्होंने वादा किया कि सरकार हर संभव मदद करेगी। पेनसिल्वेनिया में एक नदी के किनारे मिले दो साल की बच्ची का शव पिछले सप्ताहांत अचानक आई बाढ़ में बह गए दो लापता बच्चों में से एक माना जा रहा है। उसका नौ महीने का भाई अभी भी लापता है।

काला सागर में यूक्रेन के अनाज को रास्ता नहीं मिला तो लाखों लोग भूख से मरेंगे

-रुस की हठधर्मी से यूक्रेनी अनाज गरीब देशों तक नहीं पहुंचेगा, यूएन कि चिंता बढ़ी

कीव/मॉस्को (एजेंसी)। रूस की हठधर्मिता का खामियाजा यूएन देशों को भुगतना पड़ सकता है। यदि रूस ने काला सागर अनाज समझौते को जारी नहीं किया तो दुनिया में लाखों लोग भूख से मर जाएंगे। जानकारी के अनुसार रूस ने यूक्रेनी अनाज के काले सागर में सुरक्षित निर्यात की मंजूरी देने वाले काला सागर अनाज समझौते से खुद को अलग कर लिया है। इससे अनाज की कीमतों में होने वाली बढ़ोतरी संभावित रूप से लाखों लोगों के लिए भुखमरी और इससे भी बदतर स्थिति पैदा कर सकती है। संयुक्त राष्ट्र के सहायता प्रमुख ने सुरक्षा परिषद को इस खतरे से आगाह किया। रूस ने सोमवार को यह कहते हुए काला सागर अनाज समझौता छोड़ दिया कि उसकी खाद्य और उर्वरक निर्यात में सुधार की मांगें पूरी नहीं हुईं। रूस ने आरोप लगाया कि पर्याप्त यूक्रेनी अनाज गरीब देशों तक नहीं पहुंचा है। इस बारे में मार्टिन ग्रिफिथ्स ने 15 सदस्यीय निकाय को बताया कि ऊंची कीमतों को विकासशील देशों के परिवार सबसे अधिक तीव्रता से महसूस करेंगे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में 69 देशों में लगभग 36.2 करोड़ लोगों को मानवीय सहायता की जरूरत है। इस फैसले से कुछ लोग भूखे रह जाएंगे, कुछ भूख से मर जाएंगे और कई लोगों की मौत हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने तर्क दिया कि काला सागर समझौते से विश्व स्तर पर खाद्य पदार्थों की कीमतों में 23 फीसदी से अधिक की कमी करके गरीब देशों को लाभ हुआ है। यूएन वर्ल्ड फूड प्रोग्राम ने अफगानिस्तान, जिबूती इथियोपिया, केन्या, सोमालिया, सूडान और यमन में भी लगभग 725,000 मीट्रिक टन यूक्रेन अनाज भेजा है। लेकिन अर्थशास्त्री मिखाइल खान, जिनसे रूस ने सुरक्षा परिषद को जानकारी देने के लिए कहा था, ने कहा कि सबसे गरीब देशों को केवल 3 प्रतिशत अनाज मिला है।

रूस के उप विदेश मंत्री सर्गेई वर्शिनिन ने मॉस्को में कहा कि समझौते से बाहर निकलने के बाद रूस सबसे अधिक जरूरतमंद देशों को अनाज के निर्यात पर बातचीत कर रहा है, लेकिन अभी तक किसी कॉन्ट्रैक्ट पर साइन नहीं किया है। वैश्विक खाद्य संकट को टालने और यूक्रेन से अनाज के निर्यात की मंजूरी को लेकर रूस को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपने ही सहयोगी चीन और विकासशील देशों के साथ ही पश्चिमी देशों के दबाव का भी सामना करना पड़ा। रूस की ओर से काला सागर के एक बड़े हिस्से को नौवहन के लिए खतरनाक घोषित किए जाने के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी कि समुद्र में किसी सैन्य कार्रवाई के विनाशकारी प्रभाव हो सकते हैं।

पाकिस्तान में हिंदू लड़कियों का करवाया गया धर्म परिवर्तन और मुस्लिमों से कराई शादी, परेशान पिता ने भारत से की हस्तक्षेप करने की अपील

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में हिंदू बेटियों के साथ अत्याचार किया जा रहा है। एक बार फिर से पाकिस्तान में हिंदू बेटियों का ना सिर्फ जबरन धर्म परिवर्तन करवाया गया है। बल्कि मुस्लिम पुरुषों से शादी करने के लिए मजबूर किया है। इसका खुलासा एक रिपोर्ट में हुआ है, जिसके अनुसार अल्पसंख्यक समुदाय पर लगातार जुर्म और अत्याचार किया जा रहा है।

पाकिस्तान में हिंदू और सिख बेटियों का धर्म परिवर्तन जबरन किया जा रहा है। हाल ही के मामले में पंजाब प्रांत के सादिकाबाद की हिंदू लेहलाराम पन्हवर की तीन बच्चियों को पहले अगवा किया गया। इसके बाद तीनों का धर्मपरिवर्तन करवाया गया। तीनों बच्चियों को जबरन इस्लाम कबूल करवाए जाने की बात भी सामने आई है।

इस मामले के सामने आने के बाद भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी ट्वीट किया है। उन्होंने विदेश मंत्रालय से इस मामले में हस्तक्षेप करने की गुहार लगाई है। जानकारी के लिए बता दें कि घटना पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में जिला रहीन यार खान में हुई है। यहां पीड़ित को शक था कि उनकी तीन बेटियों का धर्म परिवर्तन करवाया जा सकता है। इसके बाद उन्होंने पुलिस से सहयोग मांगा मगर उन्हें कोई सहायता नहीं मिली। जानकारी के मुताबिक एक वीडियो भी वायरल हुआ है। इस वीडियो में तीनों बेटियों का जबरन धर्म परिवर्तन होते दिखाया गया है। खबरों की मानें तो बच्चियों की मुस्लिमों से शादी करवा दी गई है।

भारत सरकार से मदद की आस

पाकिस्तान में पुलिस द्वारा मदद ना मिलने पर इंसाफ के लिए पीड़ित परिवार ने भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने भारत सरकार से भी गुहार लगाई है कि वो उनकी बच्चियों को बचाने में मदद करे। इस संबंध में मनजिंदर सिंह सिरसा पीड़ित परिवार के संपर्क में है।

सीमा हैदर के भारत आने पर हमले बढ़े

कई संगठन हिंदू बच्चियों के खिलाफ हो रहे इन हमलों को लेकर आवाज उठा रहे है। हिंदू लड़कियों के साथ अत्याचार और धर्म परिवर्तन के मामले लगातार बढ़ रहे है। पुलिस और संबंधित अधिकारी इस मामले में कुछ नहीं कर रहे हैं और आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। यह भी दावा किया कि सीमा हैदर घटना के बाद से नदी क्षेत्रों में हिंदू समुदाय पर हमले बढ़ गए हैं। बता दें कि सीमा हैदर पाकिस्तान से भागकर नेपाल के रास्ते भारत आई है। वर्तमान में वो नोएडा में अपने प्रेमी सचिन के साथ रह रही है। सीमा चार बच्चों की मां है।

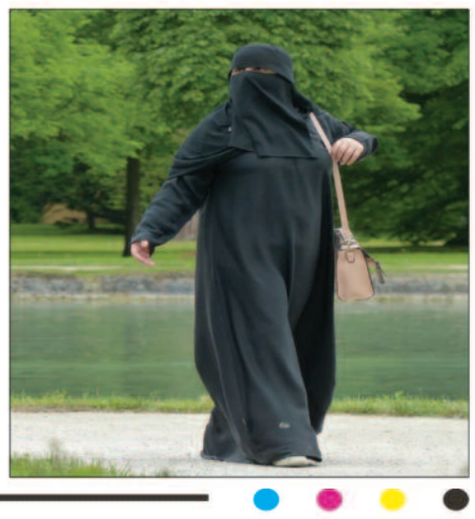

कोरिया स्वास्थ विभाग में बड़ा घोटाला...जांच करे तो करे कौन ?...शिकायत देखकर जांच करने वाले भी कतरा रहे क्योंकि खुल जाएगी पोल...

स्वास्थ्य विभाग घोटाले में पूर्व से लेकर वर्तमान सीएमएचओ के साथ कई कर्मचारी संलिप्त क्या कलेक्टर करा पाएंगे जांच ?

» क्या कलेक्टर के लाडला होने की वजह से डॉ प्रिंस जायसवाल अभी डीपीएम पद पर पदस्थ है ?

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर, 23 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग में बीते 4 साल से घोटालों की बाढ़ सी आई हुई है। तत्कालिन कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने घोटालों की जांच के आदेश दिए थे, परन्तु वर्ष 2022-23 की जांच करने वर्तमान जिला प्रशासन के हाथ पैर कांप रहे हैं। दरअसल, कलेक्टर की लाइजनिंग कर रहे स्वास्थ्य विभाग के दोनों जिलों से डीपीएम के पद से हटाए आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ प्रिंस जायसवाल इस समय स्वास्थ्य विभाग के सर्वेसर्वा हैं, और वर्ष 2022-23 में जमकर नियमों को दरकिनार कर खरीदी की गई है। जिसमें करोड़ों की सीटी स्कैन मशीन भी है,वहीं जांच में पहुंची एकाउंटेट जर्नल की दो सदस्यीय दल भी जिनके खिलाफ जांच की जा रही उन्ही के साथ मिलकर जांच कर रही है। जिस पर सवाल खडे हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार दो सदस्यीय दल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय मे बीते तीन दिन से जांच कर

रहा है, दल वर्ष 2022-23 में हुई तमाम खरीदी की जांच में जुटा है, परन्तु आया दल की पूरी लाइजनिंग प्रभारी डीपीएम कर रहा है, जबकि जांच उसके और सीएमएचओ डॉ आरएस सेंगर के खिलाफ की जा रही है। एजी रायपुर से आए दोनों जांच अधिकारियो को अपने प्रभाव से प्रभावित करने में दोनों जुटे है, कल के बाद आज भी डॉ सेंगर जांच अधिकारियों के साथ बंद कमरें में दो घंटे रहे, वहीं खरीदी के कागजात अन्य किसी के हाथ नहीं दिखाए जा रहे है, जिनके खिलाफ जांच हो रही है दोनों ऐसे दस्तावेज दिखा रहे हैं, एनएचएम के लेखापाल से लेकर सभी कर्मचारियों को दोनों जांच अधिकारी तक जाने तक नहीं दिया जा रहा है, जिससे तय है कि जांच सही नहीं हो पा रही है। आपको बता दे कि डॉ सिंगर भी सीएमएचओ की कुर्सी पाते ही अनाप शनाप खरीदी में जुट गए हैं, नेत्र विशेषज्ञ डॉ सेगर ने स्वास्थ्य विभाग को पूरी तरह से पंगु करके रख दिया है, उनके द्वारा खुद को अज्ञानी बताते हुए सिर्फ खरीदी में पूरा ध्यान लगाया गया है यही कारण है कि अब जांच हो रही है तो किसी तरह मैनेज करने में जुटे हुए है। स्वास्थ्य विभाग का कामकाज पूरी तरह से ढप्प पडा हुआ है।

अब तक नहीं हुई ज्वाईनिंग

16 मई 2023 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन संचालक भोसकर विलास संदीपान ने आदेश जारी कर एमसीबी और कोरिया जिले में प्रभारी डीपीएम आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ प्रिस जायसवाल को हटा दिया था, मनेन्द्रगढ में सुलमोन खान और कोरिया में राकेश वर्मा को डीपीएम नियुक्त किया गया था, मनेन्द्रगढ़ में तो सुलेमान खान ने कार्यभार ग्रहण कर लिया था, परन्तु कोरिया में राकेश वर्मा को कार्यभार ग्रहण नहीं करने का फरमान जिस अधिकारी ने आदेश दिया उसी ने मौखिक रूप से दे दिया, वहीं जिला कांग्रेस कमेटी के साथ बैकुंठपुर, मनेन्द्रगढ, खडगंवा से लेकर तमाम कांग्रेस के नेता स्वास्थ्य मंत्री से मिले, स्वास्थ्य मंत्री ने दो टूक कह दिया कि आदेश नहीं बदलेगा, नए डीपीएम को ही प्रभार मिलेगा, दूसरी ओर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह का लाडला डॉ प्रिंस जायसवाल अभी उसी पद पर पदस्थ है, शासन के आदेश को जारी हुए 2 माह से ज्यादा बीत चुका है, लेकिन डॉक्टर प्रिंस जायसवाल पद पर बना हुआ है।

क्या सीटी स्कैन मशीन की खरीदी ने बनाया लाडला ?

वर्ष 2022-23 में जनवरी माह से मार्च 2023 तक जमकर खरीदी हुई है, इस खरीदी में नियमों को दरकिनार कर काफी अनियमितताएं बरती गईं, जिसकी शिकायत भी हुई है, परन्तु कलेक्टर ने 22-23 की जांच करने से इंकार कर दिया, इसके अलावा करोड़ों की सीटी स्कैन मशीन की खरीदी की गई है, जो कलेक्टर की निगरानी में डॉ प्रिंस जायसवाल के द्वारा की गई है, क्या यही कारण है कि कलेक्टर और प्रिंस जायसवाल के रिश्ते बेहद प्रगाड़ हो चुके हैं, इस मशीन की खरीदी को लेकर सवाल खडे हो रहे हैं, क्या है मशीन की कीमत? क्यों खरीदी मे पारदर्शिता बरती नहीं गई? किस कंपनी की मशीन खरीदी जा रही है? क्या यह मशीन चायनिज तो नही है? इस तरह के दर्जनों सवाल है जिसके जवाब जिला प्रशासन के पास नही है।

कांग्रेस को 10 हजार वोट का नुकसान

पुरे शहर में चर्चा का विषय है की कलेक्टर के साथ डॉ प्रिंस जायसवाल की ट्यूनिंग जग जाहिर है, कलेक्टर एक मिनट भी उसके बगैर नहीं रह सकते है, यही कारण है एमएस, एमबीबीएस चिकित्सकों की बैठक में कलेक्टर के सामने आयुवेदिक चिकित्सक उन्हें फरमान जारी करने से लेकर खड़े और बैठने का आदेश देते रहते है। यही कारण है कि कोरिया जिले के साथ एमसीबी जिले का भी स्वास्थ्य महकमे में काफी नाराजगी है, कांग्रेस की सरकार में जिला प्रशासन के इस रवैए से कांग्रेस का खासा नुकसान होने की पूरी संभावना है। लगभग 10 हजार से ज्यादा वोट का नुकसान कांग्रेस को सकता है।

वर्तमान सीएमएचओ ने पद की गरिमा की धूमिल

डॉ आर एस सेंगर ऐसे सीएमएचओ है जिन्होंने स्वास्थ्य विभाग की गरिमा धूमिल कर दी है साथी चिकित्सक भी हैरान हैं,सीएमसचओ कार्यालय में वो अपने चेम्बर में कम, प्रभारी डीपीएम के बुलावे पर प्रभारी डीपीएम के चेम्बर में ज्यादा बैठे मिलते है, कार्यालय में काम करने वाले बाबू भी हैरान है उन्हें कोई भी काम के लिए फ़ाइल लेकर प्रभारी डीपीएम के चेम्बर में जाना पड़ता है, सीएमएचओ अब प्रभारी डीपीएम के आदेश पर काम करते देखे जा रहे है, और इससे शेष कर्मचारी भी डॉक्टर सेंगर की कार्यशैली से खासे नाराज है।

जिले में प्राथमिक शिक्षा का बुरा हाल

कई प्राथमिक शाला हुए एकल शिक्षकीय

» सहायक शिक्षकों की पदोन्नति के बाद आई है ऐसी समस्या,कही कम बच्चे ज्यादा शिक्षक कहीं ज्यादा बच्चे एक शिक्षक देख रहे स्कूल

» कम दर्ज संख्या और ज्यादा शिक्षकों वाले विद्यालय से एकल शिक्षकीय स्कूलों में शिक्षक भेजकर सुधारी जा सकती है व्यवस्था,लेकिन जिम्मेदार मौन

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर,23 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। जिले में प्राथमिक शिक्षा का हाल बुरा हो चला है और इसका कारण है की जिम्मेदार अधिकारी इस मामले में मौन साधे हुए हैं जो चाहें तो व्यवस्था सुधर सकती है और प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था पटरी पर आ सकती है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहें हैं और जिसकी वजह से प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था चरमरा रही है।

बता दें की सहायक शिक्षकों की पदोन्नति के बाद कई प्राथमिक स्कूल एकल शिक्षकीय हो गए हैं वहीं कई ऐसे स्कूल हैं जहां दर्ज संख्या के हिसाब से अधिक शिक्षक कार्यरत हैं, अब ऐसे में यदि शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारी चाहें तो वह

व्यवस्था बनाकर एकल शिक्षकीय स्कूलों में उन स्कूलों से शिक्षक भेज सकते हैं जहां फिलहाल जरूरत से ज्यादा शिक्षक कार्यरत हैं।

जिले में कई प्राथमिक शाला शिक्षक विहीन और कई एकल शिक्षक

जिले में कई प्राथमिक शाला शिक्षक विहीन और कई एकल शिक्षकीय होने के बावजूद विभाग के अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहें हैं और वहीं जिले के आला अधिकारी भी मामले में मौन साधे बैठे हैं जिससे नौनिहालों का भविष्य फिलहाल उज्ज्वल होता नजर नहीं आ रहा है। शिक्षा विभाग के अधिकारी इस व्यवस्था को सुधारने यदि पहल करना चाहें तो वह संभव हो सकता है और वह ऐसे स्कूलों जहां कम दर्ज संख्या के बावजूद ज्यादा शिक्षक कार्यरत हैं उनमें से एक को शिक्षक विहीन और एकल शिक्षकीय विद्यालय में भेज सकते हैं जिससे वर्तमान सत्र में प्राथमिक स्कूलों में नवनिहालों को अच्छी शिक्षा मिल सकती है। वहीं इस ओर ध्यान नहीं देने की वजह से एकल शिक्षकीय कई स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित हो रही है क्योंकि एकल शिक्षकीय स्कूल होने की वजह से विद्यालय का शिक्षक विद्यालय के अन्य कार्यों में भी समय देता है और शेष बचे समय में वह अध्यापन कराता है जबकि शिक्षकों को संलग्न कर इस व्यवस्था को सुधारा जा सकता है।

जिले में शिक्षक विहीन और एकल शिक्षकीय प्राथमिक शालाओं की संख्या में हुआ है इजाफा

शिक्षकों के पदोन्नति के बाद जिले में शिक्षक विहीन और एकल शिक्षकीय स्कूलों की संख्या में इजाफा हुआ है,अधिकांश स्कूल शिक्षक विहीन या एकल शिक्षकीय हो चुके हैं और अब वहां की शिक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे है,वहीं विभाग और जिम्मेदार इस ओर ध्यान दें तो यह व्यवस्था सुधारी जा सकती है अस्थाई तौर पर जबकि वह ध्यान नहीं दे रहें हैं।

कम दर्ज संख्या अधिक शिक्षकों वाले स्कूलों से शिक्षक विहीन

यदि प्राथमिक शिक्षा को जिले में पटरी पर लाने की बात की जाए तो कम दर्ज संख्या और अधिक कार्यरत शिक्षकों वाले स्कूलों से शिक्षक विहीन और एकल शिक्षकीय स्कूलों में शिक्षक संलग्न कर फिलहाल व्यवस्था सुधारी जा सकती है लेकिन इस तरफ जिले के आला अधिकारियों का ध्यान नहीं है और जिसकी वजह से प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था फिलहाल बेपटरी नजर आ रही है।

स्वामीआत्मानंद स्कूल के गरीब बच्चों को यूनिफॉर्म खरीदने में आ रही परेशानी

-रवि सिंह-

मनेन्द्रगढ़ 23 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सत्ता में आते ही गरीब परिवारों को निशुल्क शिक्षा प्रदान करने के सपने को लेकर छत्तीसगढ़ में स्वामीआत्मानंद गवर्नमेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल शुरुआत किया जहां गरीब बच्चों को शिक्षा निशुल्क प्रदान कर रही है वही एक तरफ मनेन्द्रगढ़ के एक रेडीमेड कपड़ा व्यापारी को स्कूल यूनिफॉर्म का ठेका मिलने से अनाप-शनाप रेट पर बेच रहा है जहां गरीब बच्चे के मां-बाप के पहुंच से बहुत दूर है।

अगर उनसे किसी ने पूछ लिया इतना दाम क्यों लगाए हो तो उनका हाजिर जवाब है हमारा ठेका हुआ है, शासन हमें ठेका दिया है। हम इसी रेट पर बेचेंगे अब आप समझ सकते हैं कि अगर एक जगह या एक व्यक्ति को ठेका दिया जाएगा तो ऐसा ही होगा स्वामी आत्मानंद स्कूल में जहां बच्चे को निशुल्क पढ़ाया जाता है वहीं दूसरी ओर इतना महंगा यूनिफॉर्म खरीद कर पहनने पर मजबूर होना पड़ रहा है वैसे भी उस दुकानदार कई स्कूलों का ठेका लेकर रखा हुआ है जहां अपने हिसाब से क्वालिटी के नाम पर पैसा वसूल रहा है। जहां मुख्यमंत्री का सपना कोई भी गरीब परिवार पैसे के बिना शिक्षा से वंचित न रह जाए वही इतना महंगा यूनिफॉर्म शासन को इस तरह ध्यान देना होगा की जहां शासन आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहा है वही परिजन कर्जा लेकर स्कूल यूनिफार्म खरीदने के लिए मजबूर हैं। इस संबंध में आम जनों ने जिले के कलेक्टर से अनुरोध करते हुए कहा है कि आत्मानंद स्कूल में पहनने वाली ड्रेस को अन्य दुकानों में उपलब्ध कराने के लिए निर्देश जारी करें इससे गरीब आदमी को लूटने से बचाया जा सके।

बिजली की लगातार कटौती के खिलाफ भाजपा नेताओं ने दी चेतावनी

व्यवस्था जल्द नहीं सुधरने पर करेंगे चक्काजाम

-संवाददाता

बैकुण्ठपुर/पटना,23 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के ग्राम पटना स्थित विद्युत सब स्टेशन पहुंचकर भाजपा नेताओं ने ज्ञापन सौंपा और बिजली व्यवस्था जल्द से जल्द सुधारने की उन्होंने ने मांग की वहीं सफ्ताह भर में व्यवस्था नही सुधरने की स्थिति में चक्काजाम की बात भी उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से कही। विद्युत सब स्टेशन से उन्हें आश्वासन मिला की जल्द ही समस्या सुधारी जाएगी और एक सफ्ताह के भीतर व्यवस्था सुधारी जाएगी।

बता दें की पटना ग्राम के आसपास फिलहाल लगातार बिजली कटौती से लोग परेशान हैं और बिजली की आंख मिचौली लगातार जारी है। लोगों की माने तो क्षेत्र में बिजली जितनी देर रहती नही है उतनी देर बिजली कटी हुई रहती है और जिससे अब लोग परेशान हो गए हैं। बिजली कटौती का आलम यह है की बिजली आती कम जाती ज्यादा है, अघोषित रूप से बिजली कटौती के विरोध में भाजपा ने मोर्चा सम्हाला है और अब ज्ञापन देकर एक सफ्ताह में व्यवस्था नहीं सुधरने पर चक्काजाम की चेतावनी विभाग को दी है। भाजपा नेताओं ने ज्ञापन के माध्यम से विद्युत विभाग को अवगत कराया है की वर्तमान में खेती किसानी का समय चल रहा है और खेती किसानी में बिजली की भी जरूरत होती है जो लगातार कटी हुई रहती है जिससे किसान परेशान हैं वहीं भीषण गर्मी भी पड़ रही है और बिजली नहीं होने की वजह से लोग गर्मी झेलने मजबूर हैं वहीं बिजली रहती कम जाती ज्यादा है ऐसे में परेशानी का आलम समझा जा सकता है।

ट्रांसफार्मर लगने पर सत्ताधारी नेता लेने लगते हैं श्रेय

क्षेत्र में यदि किसी नए ट्रांसफार्मर को बिजली विभाग लेकर पहुंचता है और उसे जरूरत वाली जगह लगाता है तो सत्ताधारी दल के नेताओं में श्रेय लेने की होड़ मच जाती है और श्रेय लेने में कोई पिछड़ न जाए इसके लिए उनके समर्थक ट्रांसफार्मर की फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं और नेता का गुणगान करते हैं वहीं क्षेत्र में बिजली की अघोषित कटौती कोई आम बात नहीं है लेकिन इस ओर सत्ताधारी दल के नेताओं का ध्यान नहीं है और भीषण गर्मी में लोग परेशान हैं खेती के समय बिजली नहीं होने से किसान परेशान हैं इस ओर कोई सत्ताधारी ध्यान नहीं देता नजर आ रहा है।

ज्ञापन देने यह रहे मौजूद

विद्युत सब स्टेशन पटना में ज्ञापन देने के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष कपिल जायसवाल, भाजपा नेता ध्रुव नाथ तिवारी, शेर खान, उपाध्यक्ष संदीप दुबे, ओम प्रकाश तिवारी, आनंद तिवारी, महेश तिवारी, राजेश साहू, सुरेश टांडे, संदीप साहू, पुष्पराज सिंह, शिवम चौबे, कान्नीलाल सिंह, विनोद सोनपाकर सहित भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

मणिपुर में जो कुछ भी हुआ इससे दुर्भाग्यपूर्ण घटना

देश के लिए कुछ और नहीं हो सकता:शिवेश सिंह

-संवाददाता-

कोरिया/एमसीबी,23 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग के प्रभारी महामंत्री शिवेश सिंह ने अपने दौरे के दौरान मणिपुर की घटना पर कहा कि शर्म आना चाहिए मणिपुर के मुख्यमंत्री को जो कहते है कि ऐसी 100 से ज्यादा घटना घट चुकी, मणिपुर में कुकी समुदाय की 2 महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने की घटना का 5 मई का वीडियो वायरल हुआ, इसके साथ ही, एक अन्य महिला के साथ बलात्कार की खबर भी सामने आयी है, इस शर्मसार कर देनेवाली घटना ने देश के लोगों का मन व्यथित किया है।

आगे कहते है मणिपुर में जो कुछ भी हुआ इससे दुर्भाग्यपूर्ण घटना देश के लिए कुछ और नहीं हो सकता है, ये सब देखने के बाद ऐसा नहीं लगता को कोई भी सामान्य व्यक्ति दुखी नहीं हुआ हो, मणिपुर की घटना हमारे देश के इतिहास के लिए एक बड़ा धब्बा है, हमारे देश की पृष्ठभूमि, महिलाओं की सुरक्षा और उनके मान-सम्मान पर ही आधारित है, ये वो देश है जहां पर भगवान राम को आदर्श माना जाता है, जो सीता मां को लेकर आए तो रावण ने सीता जी को छुआ तक नहीं, जहां पर भगवान कृष्ण ने द्रौपदी को चीर हरण से बचाया, उसी देश में जब महिला को नंगा कर उसकी परेड कराई जाती है, एक महिला के साथ गैंगरेप भी किया गया, महिला का नग्न परेड हमारे देश की ऐसी सच्चाई दिखाता है, जिसे हम सुनना नहीं चाहते हैं, इसे कोई भी नहीं सुनना चाहता है लेकिन ये एक बड़ी सच्चाई है, ये हो रहा है और ये हुआ है 2 महीने पहले, इससे शर्मसार हुआ है देश।

नागालैंड के मुख्यमंत्री बयान है जिसमें उन्होंने कहा कि ऐसे बहुत सारे केस हुए हैं

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग के प्रभारी महामंत्री शिवेश सिंह ने कहा की नागालैंड के मुख्यमंत्री एन. बिरेन सिंह का बयान सुना, जिसमें उन्होंने कहा कि ऐसे बहुत सारे केस हुए हैं, आप एक को पकड़ कर क्यों बैठ गए हैं? हैरानी इस बात को लेकर हो रही है कि राज्य के मुख्यमंत्री जो वहां का मुखिया है, उनकी तरफ से ऐसे बयान दिए गए हैं, इससे साफ जाहिर होता है कि और भी इस तरह के कई मामले वहां पर हुए हैं, इसकी शीर्ष स्तर जांच करने की जरूरत है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी बयान आया है, जिसमें उन्होंने कड़े एक्शन की बात कही है, लेकिन ये सब तो बहुत पहले हो जाना चाहिए था, लेकिन ये बात दो महीने के बाद निकलकर सामने आयी है, इस बीच दो महीने में न जाने कितनी महिलाओं के साथ इस तरह का दुर्व्यवहार हुआ होगा? ये तो क्योंकि वीडियो सामने आया, इसलिए इसका पता चल पाया, ऐसी हरकतें करने वालों की हिम्मत इसलिए भी हो रही है

क्योंकि एक तो घटनाओं को दबा दिया जा रहा है, बाहर आ नहीं रहा है, दूसरा ये कि इस तरह की घटना इतनी आम हो चुकी हैं कि हमें यह लग रहा है कि हमारे लिए सामान्य हो गया है और खासतौर से अगर नॉर्थ-ईस्ट की बात की जाए तो उसको तो हम भारत का हिस्सा ही नहीं मानते हैं, कौन जिम्मेदार है?

सरकारें जिम्मेदार है, मीडिया भी जिम्मेदार है

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग के प्रभारी महामंत्री शिवेश सिंह ने कहा की सरकार का क्या काम है, इसके लिए थोड़ा मीडिया से भी कहा जा सकता है कि अगर वहां पर कुछ बड़ी घटना होती है तो उसकी खबर नहीं बन पाती है, वो लोग भी हमारे भाई-बहन हैं और हमारे देश का अभिन्न अंग हैं, ये बात पहले ही आ जानी चाहिए थी, महिलाओं को नग्न परेड कराने का वीडियो सोशल मीडिया पर आने का इंतजार नहीं करना चाहिए था, मणिपुर में हो रही हिंसा को अगर अच्छे से कवर किया जाता तो ये दुर्भाग्य नहीं होता, इस घटना के लिए सबको जिम्मेदार माना जा सकता है, पूरा देश इसके लिए जिम्मेदार है कि हम नॉर्थ-ईस्ट को अलग समझते हैं, सरकारें जिम्मेदार है, मीडिया भी जिम्मेदार है, जिस तरह से दिखाना चाहिए, नॉर्थ-ईस्ट को हम उस तरह का हिस्सा ही नहीं बनाते हैं, देश का हर नागरिक जिम्मेदार है, जो इस घटना को मूकदर्शक देख रहे हैं वो भी जिम्मेदार हैं, इसके लिए किसी एक को कसूरवार नहीं ठहराया जा सकता है, मणिपुर की सीएम ने खुद बोला कि ऐसी तो बहुत सी घटनाएं हो रही हैं, पता नहीं एक सीएम को ऐसा कुछ बोलने की हिम्मत कैसे हो जाती है? उन उन लोगों ने किया क्या ये भी नहीं बता पा रहे हैं, ये सुनकर दुख हो रहा है. लेकिन पता नहीं क्या-क्या हुआ होगा?

बनाई जाए जांच के लिए कमेटी

प्रभारी महामंत्री शिवेश सिंह ने कहा बनाई जाए जांच के लिए कमेटी, ऐसी घटनाओं की सही तरीके से पता लगाने के लिए कमेटी बिठाई जानी चाहिए, स्पेशल टास्ट फोर्स को वहां पर भेजा जाना चाहिए, इसके साथ ही, हमारी सरकार और अथॉरिटी का सारा ध्यान मणिपुर पर ही फोकस करना चाहिए, पीएम मोदी ने भले ही कहा हो कि उन्हें इस घटना दुख हुआ और दोषियों पर कार्रवाई होगी, लेकिन उनकी सरकार है, उनका सारा तंत्र है, लेकिन देश में क्या कुछ हो रहा है ये उन्हें 2 महीने के बाद पता चल रहा है, ये बात उन तक पहले ही पहुंचनी चाहिए थी और इस पर पहले ही संज्ञान लिया जाना चाहिए था, इतनी बड़ी गंभीर घटना पर सीएम का इस्तीफा तो महज छोटी घटना है, सीएम को तुरत गिरफ्तार कर लेना चाहिए, इसके अलावा, जितने कसूरवार लोग हैं, एक-एक कर चेहरे को पहचान कर सबकी गिरफ्तारी और फांसी होनी चाहिए।

सीएमएचओ और बीएमओ का पद एक ही डॉक्टर के जिम्मे क्यों ?:अंकुर जैन

भाजपा अल्प संख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष ने कलेक्टर को दिया ज्ञापन,सीएमएचओ और बीएमओ पद में परिवर्तन करनी की मांग

-संवाददाता-

एमसीबी 23 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। अब मामले में राजनीति भी हो रही है, भाजपा अल्प संख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष अंकुर जैन ने कलेक्टर एमसीबी को ज्ञापन देकर मांग की है की जिले में सीएमएचओ और बीएमओ का पद एक ही डॉक्टर के जिम्मे है, वह जिले के काम भी देखते हैं और वह अस्पताल की भी व्यवस्था देखते हैं जिसको लेकर अब बदलाव की जरूरत है और बीएमओ का प्रभार किसी अन्य को दिए जाने की जरूरत है,वहीं मांगों में अस्पताल में शाम के समय डॉक्टर नहीं रहते इस ओर भी ध्यान देने के लिए कहा गया है और डॉक्टर शाम और रात के समय भी उपलब्ध रहें मांग की गई है, ब्लड बैंक चालू करने की मांग की गई है जो बंद है जबकि वहां कर्मचारी नियुक्त हैं

और दुर्घटना मामले में सबसे ज्यादा जरूरत खून की ही पड़ती है, सीएमएचओ और बीएमओ जो एक ही डॉक्टर हैं वह निजी क्लीनिक सह अस्पताल में ही व्यस्त रहते हैं और वहीं पैसा लेकर वाह इलाज करते हैं इस ओर भी ध्यान आकृष्ट कराया गया है, अस्पताल की सोनोग्राफी मशीन जो बंद है और जो सीएमएचओ अपने घर पर सुविधा प्रदान करते हैं और शुल्क लेते हैं उसके लिए भी मांग की गई है की अस्पताल की सोनोग्राफी मशीन चालू कराई जाए साथ ही अस्पताल में महिला चिकित्सक जो शल्य चिकित्सक भी हो और शल्य आवस्यकताओं वाले प्रसव मामले जो लगातार सामने आते हैं उनमें लोगों को सुविधा मिल सके नियुक्ति की जाए मांग की गई है।

यह कैसा विकास की 4 महीने टूट जाता है संपर्क,4 महीने के लिए दवाइयों व राशन का पहले से ही करना पड़ता है इंतजाम ?

विकास कार्यों की स्वीकृति में आगे फिर भी भरतपुर सोनहत विधानसभा के कई ग्राम पहुँच विहीन

पहुँच विहीन क्षेत्र में बारिश के दिनों में तो स्तिथि ओर भी भयावह हो जाती है

बरसात से पूर्व ही चार माह का राशन पहुँचा दिया गया पहुँच विहीन ग्रामो में

-रवि सिंह-
एमसीबी, 23 जुलाई 2023 (घटती घटना)

विकास के बड़े-बड़े दावे करना लगातार विकास के लिए पीठ भी थपथपाई जाती है स्थानीय विधायक का, घोषणा व स्वीकृति में भी आगे फिर भी दर्जन भर से ज्यादा है पहुंच विहीन गांव जहां 4 महीने टूट जाता है संपर्क, जिसके लिए 4 महीने करनी पड़ती है जद्दो जहद, खाद पदार्थों की तो व्यवस्था 4 महीने के लिए कर दी जाती है स्वास्थ सुविधा के लिए भी दवाइयां उप स्वास्थ्य केंद्रों में पहुंचा दी जाती है पर विषम परिस्थिति में होने वाली परेशानियां के लिए कोई विकल्प नहीं होता।

एक ओर जहा छ ग विकास की ऊंचाइयों को छू रहा है जहा विधानसभा अध्यक्ष भी भरतपुर सोनहत विधानसभा में कार्यो की स्वीकृति को लेकर तारीफ कर चुके हैं, किंतु भाजपा शासन से लेकर अब तक भरतपुर सोनहत विधानसभा के करीब 40 ग्राम के 2562 परिवार वर्षा के दिनों में कोरिया व नवीन एमसीबी जिले के कई क्षेत्र आज भी पहुँचविहीन है, जहा बारिश के दिनों में तो स्तिथि ओर भी भयावह हो जाती है जिससे इन क्षेत्रो का संपर्क जिला व ब्लाक मुख्यालय से पूरी तरह टूट जाता है जिससे इन क्षेत्रो में पहुँचना किसी चुनोती से कम नही, जहा जिले में भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र का ज्यादातर हिस्सा पहुँच विहीन क्षेत्रो में आता है जिसकी वजह यहा गुरुघासी दास राष्ट्रीय उद्यान को बताया गया है, क्यो की बिना अनुमति के इन क्षेत्रो में निर्माण संभव नही वही जो निर्माण कार्य कराया गया उनकी स्तिथि भी दयनीय है। जिस कारण इस भरतपुर विधानसभा के कुछ क्षेत्रो में वर्षा के पूर्व ही खाद्य विभाग के सहयोग से 4 माह का राशन कई ग्रामो में पहले ही पहुँचा दिया जाता है। ताकि आम जनता को असुविधा न हो किन्तु किसी आकस्मिक दुर्घटना में स्वास्थ्य सुविधा मिलना बढ़ा मुश्किल है।

कई क्षेत्र आज भी पहुंच विहीन

पूर्व जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र तिवारी ने कहा जिले के कुछ क्षेत्र आज भी पहुच विहीन है जहाँ वर्षा के पूर्व ही 4 माह का राशन व जरूरी दवाइयां उप स्वास्थ्य केंद्रों में ग्रामीणों को जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध करा दिया जाता है वही इन छेत्रो में मुलभुत सुविधा के विस्तार की आवश्यकता है ताकि वर्षा के दिनों में ग्रामीणों को असुविधा न हो व वर्ष भर इन पहुँच विहीन ग्रामो में भी आसानी से पहुचा जा सके।

सभी पंचायत पहुंचविहीन नहीं है

जनपद पंचायत सोनहत सीओ ए पत्रा ने कहा सभी पंचायत पहुंचविहीन नहीं है, आनंदपुर व दसेर तक सड़क बनी है। लेकिन कुछ गांव ऐसे हैं, जहां बारिश के मौसम में वाहन का पहुंचना मुश्किल है जिस कारण राशन चार माह का पहले पहुँचा दिया जाता है।

इन समस्यों से जूझते है पहुँच विहीन क्षेत्र के लोग

जैसे पिछले कुछ वर्ष पूर्व एक मामला भरतपुर विकास खंड का सामने आया था जहाँ देवसील ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम झापर में एक ही परिवार के दो बच्चो को सर्प ने काट लिया था जहाँ उन बच्चो के शव को लेकर ब्लाक मुख्यालय में पीएम कराने पहुचने में मृत्योपरांत लगभग 5 दिन लगे थे, जहा शव कंधे में रखकर लाया गया था वही पुनः शव घर नही पहुच पाया था, जिसे परिजनों ने जंगल मे मिट्टी दे दी थी क्यो की शव पैदल ले जाना किसी चुनोती से कम नही था वही आज भी कई छेत्र ऐसे है जो कि स्वास्थ्य सुविधा के लिए आज भी मध्यप्रदेश के सीमा पर स्थित स्वास्थ केंद्रों पर निर्भर है जिले में इन छेत्रो तक पहुच पाना इस लिए भी मुश्किल है क्यो की कई छेत्र गुरुघासी दास उद्यान के अंतर्गत है या फिर इसकी सीमा से होकर ही इन क्षेत्रो तक पहुँचा जा सकता है मिली जानकारी अनुसार जिले में पहुँच विहीन छेत्र यह है जो कि बुनियादी सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहे है जो कि भरतपुर विधान सभा छेत्र में आते है जहा भरतपुर ब्लाक अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मुरकिल, कमर्जी, बड़गांव खुर्द, देवसील, कटवार, खोहरा, बड़वाही, बड़गांव कला, नोगई इसी तरह सोनहत के आनंदपुर व कछाडी की है जिनके कई ग्राम इनके आश्रित ग्राम है जैसे दसेर, काटो, ठकुर हत्थी, कुर्थी, सीतापुर, झापर, चिखली व धनपुर जैसे कई ग्राम है जिन तक पहुँचना आसान नही जिससे बारिश के दिनों में कई कठिनाइयों का सामना करना पढ़ता है।

7 साल में भी सड़क व पुल का निर्माण पूरा नही हो सका

वैसे शासकीय रिकार्ड के अनुसार 17 उप स्वास्थ्य केंद्र है जहा जिला प्रशासन द्वारा 4 माह के लिए दवाइयों की व्यवस्था भी की गई है ताकि आम जनो को विसम परिस्थितियों में प्रारंभिक उपचार किया जा सके। वही इन क्षेत्रो में हो रहे कठिनाइयों को देखते हुए पूर्व कलेक्टर ने उद्यान क्षेत्रो में सड़क व पुल निर्माण के लिए लाखो के कार्य मनरेगा व जिला खनिज न्यास योजना के तहत वर्ष 2015/16 से लेकर वर्ष 2022/23 में स्वीकृत किये किन्तु पार्क अधिकारियों के उदासीनता के कारण आज भी कई सड़क व पुल का निर्माण पूरा नही हो सका जो सड़क बना वो भी खस्ताहाल हो गया क्यो की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी भी वन विभाग ही करता है जहा जिले के अधिकारी इन कार्यो की गुडवत्ता की जांच करना उचित नही समझते जिस कारण ये अधूरे कार्य भी रिकार्ड में पूर्ण हो गए थे जिस कारण वन विभाग के द्वारा बनाये गए कई सड़क आज चलने लायक नही है वही वन विभाग के अधिकारी वर्षा में सड़क का बह जाने का जवाब दे कर मुह मोड़ लेते है वही पूरा छेत्र जंगलो से घिरा होने के कारण व पथरीली रास्तो के कारण यहा जाना जिले के अधिकारी उचित नही समझते जिस कारण यह छेत्र आज भी पहुच विहीन है। जिसके जिले कही न कही प्रशासन ही जिम्मेदार है यह कहना भी गलत नही होगा क्यो की पूर्व में करोड़ो रूपये इन ग्रामो तक पहुचने के लिए पानी की तरह बहा दिए गए व आज भी स्तिथि इन मार्गो की खस्ताहाल हैं।

क्षेत्र के जनप्रतिनिधि की उदासीन परेशानी का सबब

वही क्षेत्र के जनप्रतिनिधि इस ओर उदासीन बने हुए है जिस कारण इन वनांचल छेत्रो के कई मार्गो में पढ़ने वाले नदी नालों में पुल नही होने से ग्रामीण परेसान है जिससे वर्षा के दिनों में ग्राम दो भागों में बट जाता है जब कि ग्रामीणों ने कई बार छेत्र के जनप्रतिनिधियों से पुल की मांग की जहा कार्य स्वीकृति का दावा तो किया गया किन्तु कई कार्य आज भी धरातल पर सुरु नही हो सके जिसमे सोनहत से छिंगुरा मार्ग पर पढ़ने वाला पुल है जो कि विगत चार वर्षो से बनने की बात सुनने में आ रहा किन्तु कार्य अब तक सुरु नही हो सका वही निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के द्वारा भी कोई हल नही निकलने से यह समस्या बनी हुई है वही वर्षा के दिनों में नदी में पानी होने से ये समस्या और भी गंभीर हो जाती है जिससे आपात काल मे स्वास्थ सेवा भी नही पहुच पाती वही जरूरी कार्य पढ़ने पर जिला व ब्लाक मुख्यालय पहुचना भी किसी चुनोती से कम नही जिस पर इन छेत्रो के ग्रामीणों ने शासन से विकास की मांग की है ताकि यह छेत्र पहुच विहीन न रहे।

एमसीबी जिले के विकास खंड खड़गवां में संलग्नीकरण का खेल बड़े जोरों पर है

राज्य शासन के आदेश की भी नहीं है परवाह,खुलेआम उडाई जा रही है धज्जियां कब होगी कार्यवाही ?

-संवाददाता-
खड़गवां, 23 जुलाई 2023 (घटती घटना)

खड़गवां विकास खंड मुख्यालय में संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य भवन, नवा रायपुर, छ.ग. द्वारा कुछ माह पूर्व अप्रैल 2023 को समस्त संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवायें छत्तीसगढ़, समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी छत्तीसगढ़ एवं अन्य विभागों को भी तत्काल प्रभाव से संलग्नीकरण समाप्त किये जाने हेतु आदेशित किया था, लेकिन जिले के खड़गवां विकास खंड स्तर पर आलाधिकारी जिस तरह से शासन के आदेश की धज्जियां उड़ा रहे हैं उसे देखकर ऐसा लगता है कि इन्हें शासन के आदेश से कोई फर्क नहीं पड़ता यही वजह है कि जिले के कई अस्पतालों शिक्षा विभाग राजस्व विभाग आदि में अभी भी संलग्नी करण का खेल जारी है.

संचालनालय स्तर से समय-समय पर संलग्नीकरण समाप्त किये जाने हेतु निर्देश एवं आदेश जारी किया गया एवं अप्रेल माह में हुई समीक्षा बैठक में विभागीय सचिव द्वारा शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं एवं शिक्षा विभाग राजस्व विभाग आदि में संलग्नीकरण समाप्त कर अधिकारी एवं कर्मचारी को उनके मूल पदस्थापना स्थान हेतु कार्यमुक्त किये जाने हेतु निर्देश जारी किया गया है मगर अभी भी अनेक संस्थाओं में अधिकारी एवं कर्मचारी संलग्न होकर कार्यरत हैं। जिसकी जानकारी उपलब्ध कराई गई है अधिकारी एवं कर्मचारी संघ द्वारा उक्त संबंध में शिकायत प्राप्त होती है ।इसे लेकर विभाग द्वारा आदेशित किया गया था कि किसी भी स्तर कलेक्टर और संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाये एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं अन्य विभागीय अधिकारी द्वारा जारी संलग्नीकरण अथवा कार्यादेश को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर संलग्न अधिकारी एवं कर्मचारी को उनके मूल पदस्थापना स्थान हेतु कार्यमुक्त कर अप्रैल 2023 तक मूल पदस्थापना स्थान में उपस्थिति सुनिश्चित कर आदेश की प्रति संचालनालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें ऐसा न होने की स्थिति में सम्बंधित अधिकारी के विरूद्ध एक तरफा नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी लेकिन संचालक छत्तीसगढ के इस आदेश को जिले में मजाक बना कर रख दिया गया है अभी भी दर्जनों शिक्षा विभाग राजस्व विभाग स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को मनमानी जगह पर संलग्न करके रखा गया है। एमसीबी जिले के खड़गवां विकास खंड में स्वास्थ्य विभाग शिक्षा विभाग राजस्व विभाग आदि में कार्यरत ऐसे अधिकारी कर्मचारी जिन्हें उनके पदस्थापना स्थल से पृथक कर किसी अन्य संस्थान में संलग्न किया गया है, उनका संलग्नीकरण समाप्त कर तत्काल प्रभाव से उन्हें उनके मूल पदस्थापना स्थल में कार्य करने हेतु विभाग द्वारा आदेशित करते हुये कार्यालय को सूचित करने के निर्देश दिए गये थे साथ ही यह भी कहा गया था कि शासन द्वारा संलग्नीकरण में समाप्त करने हेतु पूर्व में निर्देश जारी किया गया है। निर्देशों का पालन न करने की अवस्था में संलग्न अधिकारी कर्मचारी तथा संलग्नीकरण करने वाले अधिकारी के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी, लेकिन तमाम निर्देश लगता है जिले के अधिकारी कचरे के डिब्बे में डाल देते हैं और नियम विरुद्ध अपना आदेश चला रहे हैं जिससे विकास खंड स्तर की शिक्षा स्वास्थ्य आदि की व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित नहीं हो रही है जिससे सरकार की योजना का एवं शिक्षा का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिला पा रहा है।

पटना थाना क्षेत्र में घटी एक और चोरी की घटना,चोरी की घटना बढ़ने से लोगों की चिंता बढ़ी

पुलिस थाने से महज 300 मीटर दूर हुई चोरी की वारदात,पुलिस की गश्त व्यवस्था पर उठा सवाल

बस्सु सर्विसिंग सेंटर में हुई चोरी एक लाख से ऊपर का नगद रकम पार

बस्सु सर्विसिंग सेंटर के सीसीटीवी कैमरे में चोरी की घटना व चोर दोनों हुए कैद पर चोर की पहचान का हो रहा इंतजार

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर/पटना, 23 जुलाई 2023 (घटती घटना)

थाना पटना क्षेत्र में एक और चोरी की घटना सामने आई है, पुलिस थाने से महज 300 मीटर दूर स्थित बस्सु सर्विसिंग सेंटर में चोर ने चोरी की घटना को दिया अंजाम, ताला तोड़ एक लाख से ऊपर का नगद किया पार, दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोर की तस्वीर हुई कैद पर पहचान का इंतजार। पटना थाना क्षेत्र में एक बार फिर से चोरी की बढ़ती घटना ने बढ़ाया पुलिस व लोगों की चिंता, पुलिस के गस्त पर उठ रहे सवाल क्या पुलिस का भय चोरों में हुआ खत्म।

मिली जानकारी के अनुसार बस्सु सर्विसिंग सेंटर और गैरेज में बीती रात चोर ने ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया, सीसीटीवी फुटेज के अनुसार घटना रात 2.00 बजे की है जब एक चड्डी गंजी पहने चोर ने ताला तोड़कर दुकान के अंदर घुसा और दुकान के गल्ले में रखा नगद पैसा उठाकर निकल पड़ा, संचालक के अनुसार 120000 नगद रकम की चोरी होना बताया जा रहा है, सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल भी कर रही है, सीसीटीवी का फुटेज लेकर सीसीटीवी में कैद चोरी की घटना के आधार पर चोर की पहचान करने में पुलिस जुटी हुई है, अब देखना यह है क्या पुलिस इस चोरी की घटना को भी सुलझा पाएगी यह बड़ा सवाल है? पर सवाल तो यह भी है कि थाना से महज 300 मीटर दूर से चोरी की वारदात का हो जाना कहीं न कहीं पुलिस की व्यवस्था पर भी सवाल खड़ा करता है, लोगों का कहना है कि पुलिस अपना काम नहीं कर रही रात में गश्त तो बिल्कुल भी नहीं हो रहा जिस वजह से चोरी की वारदात बढ़ रही है, यदि समय रहते हुए पुलिस गश्त को ठीक नहीं किया तो आगे भी चोरी की घटना होते रहेगी।

थाने से कुछ दूरी पर ही हुई चोरी की घटना, मुख्यमार्ग पर है दुकान

पटना में चोरी की घटना पुलिस थाने से कुछ ही दूरी पर घटित हुई है,वहीं जिस दुकान में चोरी हुई है वह मुख्य मार्ग पर स्थित है,थाने के समीप साथ ही मुख्यमार्ग के दुकान में चोरी की घटना से पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा होता है।

हाल ही में थाना क्षेत्र में हुई है बड़ी चोरी की घटना,वहां भी पुलिस गस्त को लेकर लोगों ने लगाए हैं आरोप

अभी हाल ही में थाना क्षेत्र के पुलिस सहायता केंद्र अंतर्गत बड़ी चोरी की घटना घटी है,जिस मामले में भी अभी न तो चोरों का पता चला है और न चोरी गए समान और नकदी का, वहां भी लोगों ने पुलिस के गस्त पर सवाल उठाए हैं और आरोप लगाया है की गस्त होती ही नहीं है।

चार पुलिस थानों के जिले में भी पुलिस नहीं दिख रही है चुस्त दुरुस्त,चोरों के हौसले हैं बढ़े हुए-

कोरिया जिला कुल चार पुलिस थानों का जिला रह गया है और छोटे जिले में पुलिस चुस्त दुरुस्त दिखनी चाहिए लेकिन ऐसा नजर नहीं आ रहा है और छोटे से जिले में भी पुलिस चोरी की घटनाओं पर अंकुश नहीं लगा पा रही है जो पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान है।

बालको ने इलेक्ट्रिक फोर्कलिफ्ट के इस्तेमाल से सस्टेनेबिलिटी को दिया बढ़ावा

-संवाददाता-
कोरबा, 23 जुलाई 2023 (घटती घटना)

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने हरित और सस्टेनेबल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की घोषणा की है। अपने संयंत्र में छह इलेक्ट्रिक फोर्कलिफ्ट के सफल संचालन के साथ बालको ने 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक फोर्कलिफ्ट में परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। फोर्कलिफ्ट का बालको के दैनिक प्रचालन कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान है जो तैयार माल की आवाजाही, ब्रेकडाउन, रखरखाव प्रबंधन, कच्चे माल की आवाजाही, स्टोर प्रबंधन और गोदाम संचालन जैसे कार्यों को सुविधाजनक बनाया है। कंपनी सस्टेनेबिलिटी के प्रतिबद्धता और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के दृढ़ संकल्प के अनुरूप इलेक्ट्रिक फोर्कलिफ्ट को अपनाने का निर्णय पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति उसके समर्पण का उदाहरण है। यह पर्यावरण-अनुकूल पहल बड़ा प्रभाव डालने के लिए तैयार है। इससे अनुमानित रूप से लगभग 85,000 लीटर डीजल की खपत में वार्षिक कमी तथा प्रतिवर्ष 246 टन कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी। यह मील का पत्थर बालको की महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2050 तक या उससे पहले शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के अनुरूप है।इलेक्ट्रिक फोर्कलिफ्ट उन्नत सुरक्षा सुविधाओं से युक्त हैं जो कर्मचारियों की भलाई तथा वाहन और ड्राइविंग मानकों के पालन के लिए बालको की प्रतिबद्धता के अनुरूप हैं। फोर्कलिफ्ट विभिन्न सुविधाओं से युक्त है जिसमें भार के लिए सॉफ्ट लैंडिंग (भार को धीमें से नीचे लाना) एसी ट्रैक्शन मोटर, कर्व कंट्रोल, ओवरहेड गार्ड के माध्यम से बढ़ी हुई दृश्यता, हैंडल के साथ रिवर्स हॉर्न, चौड़े रियर टायर, रेड जोन लाइट और ब्लू स्पॉटलाइट शामिल हैं।बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि बालको छत्तीसगढ़ और भारत के सतत विकास में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

जिला परिवहन विभाग द्वारा चेकिंग के दौरान 69 में से 29 बसों में लगाया गया जुर्माना

-संवाददाता- कोरबा, 23 जुलाई 2023 (घटती घटना)

कोरबा जिला परिवहन अधिकारी शशिकांत कुर्रे के निर्देशन मे स्कूल बस चेकिंग अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत 69 बसों की चेकिंग की गई, जिसमें 29 बसों में लाइसेंस व परमिट,कैमरा,बसों की खिड़कियों में जाली न होना जैसे विभिन्न खामियां पाए जाने पर चलानी कार्यवाही करते हुए 101100 /-(एक लाख एक हजार एक सौ रुपए) की जुर्माना राशि वसूल की गई । चेकिंग के दौरान 12 साल से अधिक की एक बस पाई गई जिसे तत्काल संस्थान से अलग करने के निर्देश विभाग द्वारा दिया गया । वही जैन पब्लिक स्कूल,एसईसीएल कुसमुंडा, सेंट जेवियर एवं डीपीएस बालको की कुछ बसें चेकिंग के दौरान नहीं आई जिन पर भविष्य में कार्यवाही संभावित है द्या।वाहन चेकिंग के दौरान डी एस राजपूत, शुभम नेताम,प्रवीण सोनी, के पी साहू, शत्रुघन ध्रुव , प्रतीक शुक्ला, सुजीत सिन्हा,सुश्री ममता गुप्ता एवं सुश्री रजनी वैष्णव मौजूद रहे । परिवहन अधिकारी ने बताया कि ऑटो संघ के चालक मालिक एवं पालक संघ के पदाधिकारियों के साथ भी भविष्य में जिला परिवहन कार्यालय में बैठक कर बच्चों को सुरक्षित तरीके से स्कूल लाने ले जाने के संबंध में चर्चा की जाएगी साथ ही निरंतर इस तरह की वाहन जांच की कार्यवाही जारी रहेगी।

CMYK

सात्विक-चिराग की भारतीय जोड़ी ने कोरिया ओपन में साल का चौथा खिताब जीता

येओसु,23 जुलाई 2023। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी ने अपना स्वप्निल प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को यहां इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मोहम्मद रियान आर्दियांतो की शीर्ष वरीय जोड़ी पर फाइनल में तीन गेम की जीत से कोरिया ओपन पुरुष युगल खिताब जीत लिया। साल का चौथा फाइनल खेल रही दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने दो बार के विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता अल्फियान और आर्दियांतो की जोड़ी को सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के रोमांचक मुकाबले में 17-21 21-13 21-14 से पराजित किया। इस तरह सात्विक और चिराग की 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की चैम्पियन जोड़ी ने लगातार मैचों में जीत की संख्या 10 कर ली और अपनी उपलब्धियों में इजाफा किया।

भारतीय जोड़ी ने इस साल स्विस ओपन, एशियाई चैम्पियनशिप और इंडोनेशिया ओपन जीता है। इस जोड़ी का एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता अल्फियान और आर्दियांतो के खिलाफ जीत का रिकार्ड 2-2 से बराबर था जिसमें से अंतिम दो मौकों पर उन्होंने इंडोनेशियाई जोड़ी को पराजित किया था। शुरु में हालांकि भारतीय खिलाड़ी थोड़े धीमे लगे जिससे वे पहले गेम में पिछड़ रहे थे। लेकिन गेम के अंत में उन्होंने वापसी करते हुए छह अंक जुटाकर अंतर 10-19 कर दिया, फिर भी इसे अपने नाम नहीं कर सके। भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए दूसरे गेम में दबदबा बनाया और तीसरे गेम को जीतकर खिताब अपनी झोली में डाला।

इंडोनेशियाई जोड़ी ने तेज तर्रार सपाट रैलियों से 4-2 की बढ़त बना ली और उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वियों को आक्रामक होने का मौका ही नहीं दिया। सात्विक और चिराग को गलतियों से भी नुकसान हुआ और ब्रेक तक वे सात अंक से पिछड़ रहे थे। भारतीय जोड़ी ने फिर कुछ अंक तेजी से जुटाये लेकिन इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने 16-7 से बढ़त बना ली थी। आर्दियांतो ने एक स्मैश लगाया जिससे वे 19-11 से आगे हो गये। भारतीय जोड़ी ने अगले तीन अंक हासिल किये और एक रोमाचंक रैली खेली जिसमें इंडोनेशियाई खिलाड़ी का शॉट नेट में लगा। सात्विक का लगाया गया स्मैश शॉट अंतर तीन अंक करने में सफल रहा लेकिन अगला शॉट वाइड चला गया जिससे इंडोनेशिया के पास चार गेम प्वाइंट हो गये और उसने पहला गेम हासिल किया।

दूसरा गेम बराबरी की टक्कर से आरंभ हुआ जिसमें दोनों जोड़ियों ने कुछ शानदार रैलियां भी खेली। भारतीय जोड़ी ने तेज और ताकतवर शॉट से रैलियों में दबदबा बनाया। भारतीय खिलाड़ियों ने 6-4 की बढ़त को 10-8 तक बरकरार रखा जिसमें सात्विक ने अपना पसंदीदा स्मैश भी लगाया। ब्रेक तक भारत ने तीन अंक की बढ़त हासिल कर ली थी। फिर चिराग के क्रास कोर्ट रिटर्न से यह 17-11 हो गया। जल्द ही सात्विक और चिराग ने नौ गेम प्वाइंट हासिल किये। इनमें से दो उन्होंने गंवा दिये जिसके बाद यह गेम अपने नाम कर निर्णायक गेम में पहुंचे। तीसरे गेम में सात्विक और चिराग पूरी तरह से दबदबा बनाये थे जिससे उनकी बढ़त 9-6 हो गयी जो ब्रेक तक 11-8 रही। भारतीयों ने फिर आक्रामक खेल दिखाया और दुनिया की नंबर एक जोड़ी पर दबाब बरकरार रखने में सफल रहे।

चिराग ने फिर भारत को 13-10 से आगे कर दिया। अल्फिया और आर्दियांतो की सारी कोशिश नाकाम हो रही थीं जिससे भारतीय जोड़ी 18-12 से आगे हो ली। अल्फियान ने शानदार बैकहैंड रिटर्न दिया लेकिन अगले को नेट में गिरा बैठे जिससे भारतीयों को सात मैच प्वाइंट मिले। पहले का वे फायदा नहीं उठा सके लेकिन अगले को अंक में तब्दील कर 'गंगनम' स्टाइल के डांस से जीत का जश्न मनाया। शनिवार को भारतीय जोड़ी ने चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग की दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी पर सीधे गेम में रोमांचक जीत से फाइनल में प्रवेश किया था।

सात्विक और चिराग ने जोड़ी बनाने के बाद कई खिताब अपने नाम किये हैं जिसमें राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण पदक, थॉमस कप का स्वर्ण पदक, विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक के अलावा सुपर 300 (सैयद मोदी और स्विस ओपन), सुपर 500 (थाईलैंड और इंडिया ओपन), सुपर 750 (फ्रेंच ओपन) और इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 में जीत शामिल हैं। बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर छह स्तर में विभाजित होता है जिसमें विश्व टूर फाइनल्स, चार सुपर 1000 टूर्नामेंट, छह सुपर 750 टूर्नामेंट, सात सुपर 500 टूर्नामेंट और 11 सुपर 300 टूर्नामेंट शामिल होते हैं। टूर्नामेंट का एक अन्य वर्ग बीडब्ल्यूएफ टूर सुपर 100 स्तर है जिससे भी रैंकिंग अंक मिलते हैं।

अमांडा इलेस्टेड के गोल से स्वीडन ने दक्षिण अफ्रीका को 2-1 से हराया

वेलिंगटन ,23 जुलाई 2023। अमांडा इलेस्टेड के 89वें मिनट में किये गये गोल से स्वीडन ने रविवार को यहां महिला फुटबॉल विश्व कप के ग्रूप जी के शुरुआती मैच में दक्षिण अफ्रीका पर 2-1 से जीत हासिल की। इससे दक्षिण अफ्रीका की टूर्नामेंट में पहला बड़ा उलटफेर करने की उम्मीदों पर पानी फिर गया। दक्षिण अफ्रीका ने हिल्दाह मिगाला के 48वें मिनट में किये गये गोल से बढ़त बना ली थी जिससे स्वीडन की टीम दबाव में आ गयी थी।

लेकिन स्वीडन ने 64वें मिनट में फाइडोलिना रोल्फो के गोल से 1-1 से बराबरी हासिल की। मैच खत्म होने में महज एक मिनट का समय बचा था कि अमांडा ने कॉर्नर पर हेडर से गोल कर स्वीडन को जीत दिलायी।

सीएसके में एमएस धोनी का उत्तराधिकारी कौन?

» अंबाती रायुडू ने अपनी पसंद के नाम का किया खुलासा

नई दिल्ली , 23 जुलाई 2023। अंबाती रायडू ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में एमएस धोनी के उत्तराधिकारी का खुलासा किया है। हालांकि, वह रवींद्र जडेजा या बेन स्टोक्स नहीं हैं। रायडू ने मई 2023 में सीएसके के साथ 2023 संस्करण जीतकर अपने ट्रॉफी से भरे आईपीएल करियर का अंत किया। 42 वर्षीय धोनी ने सीएसके को पिछले सीज़न में रिकॉर्ड-स्तरीय पांचवें आईपीएल खिताब के लिए मार्गदर्शन किया और फाइनल के बाद अगले सीज़न में खेलने के लिए लौटने का संकेत दिया। इस महान विकेटकीपर बल्लेबाज के एक या संभवतः दो सीज़न खेलने के बाद संन्यास लेने की उम्मीद है और इसने न केवल सीएसके बल्कि सभी क्रिकेट प्रशंसकों के सामने सवाल खड़े कर दिया है कि उनका उत्तराधिकारी कौन होगा।

धोनी के बाद कप्तानी की भूमिका निभाने के लिए जडेजा सबसे आगे चल रहे हैं, लेकिन आईपीएल 2024 के दौरान उनकी उम्र 35 वर्ष हो जाएगी और वह दीर्घकालिक योजना के लिए आदर्श उम्मीदवार नहीं होंगे। बेन स्टोक्स, सीएसके के अब तक के सबसे महंगे खिलाड़ी, टेस्ट क्रिकेट में कप्तान के रूप में प्रगति कर रहे हैं, लेकिन पिछले आईपीएल सीज़न में नियमित रूप से खेलने में असफल रहे। अनुभवी भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू को लगता है कि बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ में सीएसके की कप्तानी के लिए आवश्यक सभी नेतृत्व गुण हैं। उन्होंने कहा कि अगर धोनी उन्हें इस भूमिका के लिए तैयार करते हैं तो सीएसके के सलामी बल्लेबाज अगले दस वर्षों तक टीम का नेतृत्व कर सकते हैं।

अंबाती रायुडू ने कहा कि भविष्य की बात करें तो मुझे लगता है कि ऋतुराज गायकवाड़ के पास बहुत अच्छा मौका है। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि उनके अंदर नेतृत्व के गुण हैं। इसलिए अगर माही भाई उन्हें एक या दो साल के लिए तैयार करते हैं, तो वह 7-8 या 10 साल तक टीम का नेतृत्व कर सकते हैं। वह माही भाई और फ्लेमिंग के साथ अच्छे हाथों में हैं। वह शांत, व्यावहारिक और बेहद प्रतिभाशाली हैं। भारत उनका (गायकवाड़) सबसे अच्छा उपयोग करता है। मुझे नहीं लगता कि वे इस समय हैं। उन्हें भारत के लिए हर प्रारूप में खेलना चाहिए। गायकवाड़ का नाम मीडिया में सीएसके के अगले कप्तान के रूप में तब उभरा जब बीसीसीआई ने उन्हें इस साल हांगझू में एशियाई खेलों के दौरान भारत की टी20ई टीम का नेतृत्व करने के लिए कप्तान नियुक्त किया।

डूरंड कप के कार्यक्रम सामने आए

» प्रतिष्ठित कोलकाता डर्बी 12 अगस्त को होगी

गुवाहाटी , 23 जुलाई 2023। डूरंड कप का 132वां संस्करण 3 अगस्त को शुरू होगा क्योंकि 24 टीमें उन तीन प्रतिष्ठित ट्रॉफियों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। नवीनीकृत संस्करण में दुनिया के सबसे पुराने टूर्नामेंटों में से एक डूरंड कप में नेपाल, भूटान और बांग्लादेश की टीमें भी भाग लेंगी। भीषण सीज़न से पहले, आई-लीग और इंडियन सुपर लीग की टीमें इस मंच का उपयोग करने के लिए तैयार हैं क्योंकि यह उनके लिए अपने संयोजन को ठीक करने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। फाइनल 3 सितंबर को कोलकाता में खेला जाएगा।

डूरंड कप फिक्स्चर

चार-चार टीमों वाले छह समूह बनाए गए हैं और समूह ए, बी और सी कोलकाता में स्थित होंगे क्योंकि वे अपने समूह मैच इसी स्थान पर खेलेंगे। गुवाहाटी ग्रूप डी और ई की मेजबानी करेगा क्योंकि दो मैचों को छोड़कर सभी खेल गुवाहाटी के इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में खेले जाएंगे। असम का एक अन्य शहर, कोकराझार एसएआई केंद्र मैदान में एक समूह की मेजबानी करेगा। गुवाहाटी और कोकराझार भी क्वार्टर फाइनल मुकाबला आयोजित करेंगे जबकि कोलकाता में विवेकानन्द युवा भारती क्रीड़ांगन शेष नॉकआउट खेल आयोजित करेगा।

मौजूदा आईएसएल चैंपियन मोहन बागान सुपर जाइंट डूरंड कप की शुरुआत बांग्लादेश सेना के खिलाफ मुकाबले से करेगा। छह ग्रुप विजेता और दो सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान वाली टीमें नॉकआउट चरण में पहुंचेंगी।

दिलचस्प मुकाबलों के बीच सबसे बहुप्रतीक्षित कोलकाता डर्बी 12 अगस्त को कोलकाता में खेला जाना है।

गत चैंपियन बेंगलुरू एफसी 132वें संस्करण की शुरुआत भारतीय वायु सेना के खिलाफ मैच के साथ करेगा। कोलकाता के एक अन्य दिग्गज ईस्ट बंगाल को इस बार ट्रॉफी पर अपना हाथ रखने की उम्मीद है और वह 6 अगस्त को बांग्लादेश सेना की मेजबानी करेगा। एक अन्य मुकाबले में, बेंगलुरु एफसी 18 अगस्त को कोकराझार में ग्रूप सी गेम में केरला ब्लास्टर्स से भिड़ेगी।

डूरंड कप का लाइव प्रसारण कहां देखें?

सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने डूरंड कप के विशेष अधिकार हासिल कर लिए हैं और भारतीय फुटबॉल प्रेमी सभी मैच सोनी स्पोर्ट्स पर लाइव देख सकते हैं। लाइव स्ट्रीमिंग सोनी लिव ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

सुमित नागल ने टाम्पेरे ओपन खिताब जीता

करियर की चौथी चैलेंजर ट्रॉफी हासिल की

नई दिल्ली , 23 जुलाई 2023। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने यहां चेक गणराज्य के डेलिबोर स्वेरसीना को सीधे सेटों में हराकर टाम्पेरे ओपन का खिताब जीत लिया। नागल ने स्वर्चीना को 6-4, 7-5 से हराकर विजयी रहे। यह नागल का पांच मुकाबलों में चौथा एटीपी चैलेंजर खिताब है, इस साल अप्रैल में रोम में गार्डन ओपन जीतने के साथ यह उनका दूसरा खिताब है।मैच में नागल की शुरुआत बेहद खराब रही और उन्होंने अपना पहला सर्व गेम गंवा दिया, क्योंकि स्विसीना ने 3-0 की बढ़त बना ली और इसे 4-1 तक बढ़ा दिया। हालाँकि, भारतीय ने तुरंत अपना संयम वापस पा लिया और चेक को बैकफुट पर भेजने के लिए लगातार तीन मौकों पर वापसी की, क्योंकि सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय ने बेसलाइन से कुछ शानदार खेल की बदौलत शुरुआती सेट 6-4 से जीत लिया।

शुरूआती सेट के बाद के चरणों में संयम दिखाने के बाद, नागल ने अगले सेट में सकारात्मक शुरुआत की और स्विसिना की सर्विस तोड़कर 4-1 की बढ़त बना ली।

ऑस्ट्रेलिया की हीथर ग्राहम आयरलैंड वनडे से बाहर

» टेस फ्लिंटॉफ को प्रतिस्थापन नामित किया गया

डबलिन,23 जुलाई 2023। ऑलराउंडर हीथर ग्राहम पिंडली में खिंचाव के कारण आयरलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की आगामी महिला वनडे सीरीज से बाहर हो गई हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा कि अनकैप्ड ऑलराउंडर टेस फ्लिंटॉफ तीन मैचों की श्रृंखला के लिए हीथर का प्रतिस्थापन होंगी।

हीदर महिला एशेज के एकदिवसीय चरण के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में थीं और उन्होंने तेज गेंदबाज मेगन शुट्ट के स्थान पर आयरलैंड दौरे के लिए अपना स्थान बरकरार रखा, जो इंग्लैंड की बहु-प्रारूप यात्रा की समाप्ति के बाद घर वापस चली गई हैं।

सीए ने एक बयान में कहा, ÷ग्राहम क्रिकेट तस्मानिया के साथ इसे जारी रखने के लिए ऑस्ट्रेलिया लौटने से पहले अपना पुनर्वास शुरू करने के लिए आयरलैंड में ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ रहेंगे।÷

इसमें कहा गया है कि चोट का मतलब यह भी है कि हीदर इंग्लैंड में द हंड्रेड में हिस्सा नहीं ले पाएंगी, जहां उन्हें नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के लिए खेलना था। दूसरी ओर, टेस ने हाल ही में इंग्लैंड ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए की छह मैचों की सफेद गेंद श्रृंखला में खेला था। उनके नाम महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के इतिहास में केवल 16 गेंदों में सबसे तेज अर्धशतक बनाने का रिकॉर्ड है। इंग्लैंड से एकदिवसीय और टी20ई में 2-1 से हार झेलने के बाद ऑस्ट्रेलिया आयरलैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में आ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप महिला एशेज 8-8 से ड्रा पर समाप्त हुई।

अद्यतन ऑस्ट्रेलिया टीम- एलिसा हीली (कप्तान), ताहलिया मैक्ग्रा (उप-कप्तान), डार्सी ब्राउन, एशले गार्डनर, किम गार्थ, टेस फ्लिंटॉफ, ग्रेस हैरिस, जेस जोनासेन, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वेयरहैम

कैरी ऑन जट्टा 3 ने रचा इतिहास

पिछले दिनों रिलीज हुई फिल्म कैरी ऑन जट्टा 3 दर्शकों को यह फिल्म खूब पसंद आ रही है। फैंस से मिल रहे भरपूर प्यार की बदौलत फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 100 करोड़ रुपए को पार कर गया है। यह पहली पंजाबी फिल्म है जो 100 करोड़ी क्लब में शामिल हुई है। मशहूर ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने कैरी ऑन जट्टा 3 के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की जानकारी दी है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि कैरी ऑन जट्टा 3 ने इतिहास रच दिया है। दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने बेंचमार्क सेट कर दिया है। फिल्म ने 100 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। स्मीप कांग द्वारा निर्देशित, यह फिल्म भारत में 560 स्क्रीन और 30 से अधिक देशों में 500 स्थानों पर रिलीज की गई। फिल्म को इसके हल्के-फुल्के, मजेदार कंटेंट के लिए पॉजिटिव प्रतिक्रिया मिली है। आपको बता दें कि कैरी ऑन जट्टा सीरीज की ये तीसरी फिल्म है। फिल्म का पहला भाग साल 2012 में आया था। दूसरा साल 2018 में और अब तीसरा 29 जून 2023 को रिलीज हुआ है। फिल्म को रिलीज हुए अभी एक महीना भी पूरा नहीं हुआ। लोगों को एक्टर गिप्पी ग्रेवाल और एक्ट्रेस सोनम बाजवा की जोड़ी बहुत पसंद आई। फिल्म में कविता कौशिक, गुरपीत घुग्गी, जसविंदर भल्ला, करमजीत अनमोल की भी खास भूमिकाएं हैं। इस फिल्म की यूएसपी पागलपन और हंसना है, जो हर पंजाबी परिवार में देखा जाता है। पिछले दिनों सलमान खान ने भी फिल्म की तारीफकी थी।

बैकलेस बॉडीकॉन गाउन में अवनीत कौर ने ढाया कहर

'टीकू वेड्स शेरू' फिल्म में नजर आईं 21 साल की एक्ट्रस अवनीत कौर मोस्ट ग्लैमरस और सिजलिंग एक्ट्रेस में शुमार हैं। अवनीत कौर अपनी हर एक कातिलाना अदाओं से फैंस को मदहोश कर देती हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की, जिनमें उनका किलर लुक और हॉट अंदाज देखने लयाक है। वहीं, फैंस भी उनकी अदाओं को देखकर आहें भरने पर मजबूर हो गए हैं। टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली 21 वर्षीय एक्ट्रेस अवनीत कौर हमेश अपने हॉट एंड बोल्ड लुक्स के कारण लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं, जिनमें वह कहर बरपाती नजर आ रही हैं। अवनीत ने अपने लेटेस्ट फोटोशूटर से सोशल मीडिया पर खलबली मचा दी और उनकी ये तस्वीरें चंद मिनटों में ही इंटरनेट पर वायरल हो गईं। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई बैकलेस बॉडीकॉन गाउन में अवनीत कौर की इन तस्वीरों को देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। ब्लू कल के बॉडी हगिंग गाउन में अवनीत कौर कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक हॉट एंड सिजलिंग पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। बैकलेस गाउन में अवनीत कौर ने एक से बढ़कर एक किलर एंड हॉट पोज दिए है, जिनमें उनका बोल्ड लुक देख फैंस आहें भरने पर मजबूर हो गए हैं। बैकलेस ड्रेस में एक्ट्रेस अवनीत कौर का डिजाईनिंग टैटू साफदिखाई दे रहा है, जो उनके लुक और ज्यादा हॉट बना रहा है। अवनीत कौन ने अपने इस लुक को ब्राइट मेकअप और किलर एटीट्यूड के साथ और भी शानदार बनाया।

दिल को छू रही 'बवाल', फैंस और क्रिटिक्स ने की फिल्म की सराहना

साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित फिल्म 'बवाल' को इसकी दमदार कहानी और आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस के लिए बहुत प्यार मिल रहा है। पुरस्कार विजेता निर्देशक नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित यह फिल्म अपनी मनोरंजक कहानी और वरुण धवन-जान्हवी कपूर के शानदार परफॉर्मेंस के साथ उम्मीदों पर खरी उतरी है। फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ट्वीट किया, बवाल दिल को छू लेने वाला है। दंगल, छिछोरे और अब बवाल... इसमें कोई शक नहीं कि नितेश तिवारी शानदार कहानीकार हैं। बवाल में एक अलग कथानक, पटकथा, कई भावनात्मक क्षण और शानदार प्रदर्शन हैं।

सीनियर क्रिटिक कोमल नाहटा ने 'बवाल' निर्देशक को 'प्रतिभाशाली' कहते हुए फिल्म की तारीफकी। उन्होंने लिखाः 'दंगल' के बाद, नितेश तिवारी की असाधारण प्रतिभा को किसी प्रमाण की आवश्यकता नहीं है। 'बवाल' शानदार ढंग से लिखी और बनाई गई फिल्म है, जो अमेजन प्राइम पर उपलब्ध है। उन्हें, उनकी टीम को, वरुण धवन, जान्हवी कपूर, मनोज पाहवा को बधाई।

शाबाश साजिद (नाडियाडवाला), इतनी बड़ी फिल्म को सीधे ओटीटी पर रिलीज करने के लिए साहस की जरूरत है। 'बवाल' अतीत, वर्तमान और भविष्य के लिए एक अच्छा सबक है। रोहित जयसवाल ने फिल्म को 4 स्टार रेटिंग दी और इसे कॉमेडी, रोमांस, इमोशन्स और सबसे महत्वपूर्ण रूप से बैकअप के रूप में एक शानदार मैसेज के साथ सिंपल, ब्यूटीफुल और एलिगेंट बताया।

भेंट मुलाकात कार्यक्रम में छात्रों ने दिया सीएम बघेल को सुझाव

» दी जाए बसों में फ्री टिकट की सुविधा

» मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने युवाओं से राजनीति में आने का किया आव्हान,

» बोले-आपके आने से ही प्रदेश आगे बढ़ेगा

रायपुर,23 जुलाई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज राजधानी रायपुर स्थित बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में युवाओं के साथ भेंट मुलाकात किया। इस कड़ी में इम्ड ने छात्रों ने बात की और शिक्षा स्तर और आगे बढ़ाने के लिए बच्चों से सुझाव लिया।मुख्यमंत्री ने इस दौरान संभाग के पांचों जिलों से आए युवाओं, महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं, मितान क्लब के सदस्यों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहें प्रतिभागियों सहित अन्य सभी युवाओं से बातचीत संवाद किया।

इंजीनियरिंग की छात्रा शगुन श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री से पूछा कि आपकी सरकार युवाओं को राजनीति में लाने के लिए क्या प्रयास कर रही है?मुख्यमंत्री ने कहा कि हम खुद चाहते हैं कि प्रदेश के ज्यादा से ज्यादा युवा राजनीति में आए। मुख्यमंत्री ने युवाओं को राजनीति में आने का आह्वान किया। कसडोल के देवेंद्र सतनामी ने कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों के लिए बसों में फ्री टिकट की। सुविधा दिए जाने की मांग की ताकि कॉलेज जाने वाले छात्रों को सुविधा मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छा सुझाव है हम घोषणापत्र में इसे जरूर शामिल करेंगे।

सीएम बघेल से भेंट-मुलाकात के लिए युवाओं में जबरदस्त उत्साह दिखा। युवाओं ने नवा छत्तीसगढ़ के निर्माण पर अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर मुख्यमंत्री बघेल ने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए मौके पर ही उनकी विभिन्न मांगों पर कई अहम घोषणाएं की

मुख्यमंत्री बघेल की युवाओं से भेंट-मुलाकात कार्यक्रम को पूर्व में आयोजित प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाकात अभियान का विस्तार माना जा रहा है। मुख्यमंत्री बघेल की युवाओं से भेंट-मुलाकात कार्यक्रम को पूर्व में आयोजित प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाकात अभियान का विस्तार माना जा रहा है।

युवाओं से शासकीय योजनाओं का लिया फीडबैक

इसके पहले मुख्यमंत्री बघेल ने प्रदेश के सभी शहरी और ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों में नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं और शासकीय योजनाओं के लिए लोगों का फीडबैक भी जाना था। अब सभी संभाग मुख्यालयों में समय-समय पर होने वाले युवाओं से भेंट-मुलाकात के इस कार्यक्रम में बघेल छत्तीसगढ़ के विकास के मुद्दों, युवाओं के लिए संचालित योजनाओं, उनकी उपलब्धियों और आकांक्षाओं पर बात करेंगे।

मुख्यमंत्री इस कार्यक्रम के माध्यम से मेरे सपनों का नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने के लिए युवाओं की सोच और सुझाव भी लेंगे। कार्यक्रम के माध्यम से मिले सुझावों को नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने के लिए तैयार की जाने वाली योजनाएं बनाने में भी शामिल किया जाएगा। युवा इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री से सीधे प्रश्न भी पूछ सकेंगे और उनके जवाब भी पा सकेंगे।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कलेक्टर डा. सर्वेश्वर भुरे ने जिले के प्रमुख अधिकारियों के साथ बैठक की और कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कार्यक्रम के लिए कानून व्यवस्था, आयोजन संबंधी इंतजामों आदि की समय पर तैयारियों के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने साढ़े चार सालों में युवा हित में अनेक निर्णय लिये हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की फीस माफी के साथ ही राज्य में रोजगार मिशन का संचालन किया जा रहा है। साढ़े चार सालों में बड़े पैमाने पर शासकीय भर्तियां की गई हैं। हाल ही में रोक हटने के बाद और लगभग 20 हजार शासकीय पदों भर्तियां की जा रही हैं। रोजगार मेलों का आयोजन कर बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराए जा रहे हैं। एक लाख 17 हजार से अधिक युवाओं को बेरोजगारी भत्ते की राशि हर महीने प्रदान की जा रही है। अब तक 80 करोड़ रुपए भत्ते के रूप में बेरोजगार युवाओं के खाते में अंतरित की जा चुकी है।

एमबीबीएस छात्रों की तरह डेंटल के स्टूडेंट को भी मिलेगा ग्रामीण क्षेत्रों में 2 साल सेवा देने का मौका

प्रदेश में अब एमबीबीएस छात्रों की तरह डेंटल के स्टूडेंट को भी ग्रामीण क्षेत्रों में 2 साल सेवा देने का मौका मिलेगा। आज सीएम ने युवाओं के साथ भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान इसकी घोषणा की। इस दौरान डॉ. सुयश बघेल ने सीएम बघेल को आभार व्यक्त किया।

सुयश बघेल ने कहा कि आपने हमारा स्टायफण्ड बढ़ाकर एमबीबीएस की तरह किया, आपका बहुत बहुत धन्यवाद। शासकीय दांत चिकित्सा महाविद्यालय में इंटर्न की भर्ती को लेकर अनुरोध किया, कहा कि एमबीबीएस की तरह ग्रामीण क्षेत्रों में 2 सेवा देने का मौका डेंटल स्टूडेंट को मिले

इसी के साथ ही मुख्यमंत्री ने एक और बड़ी घोषणा की। कार्यक्रम में पहुंची छात्रा समृद्धि शुक्ला की मांग पर सीएम ने स्वास्थ्य केंद्रों में फीजियोथेरेपिस्ट की नियमित नियुक्ति पर सहमति दे दी है। इंटर्नशिप कर रही छात्रा समृद्धि शुक्ला ने कहा हमारे कॉलेज में छात्रावास की व्यवस्था नहीं है मुख्यमंत्री ने छात्रावास की व्यवस्था करने के लिए सहमति दे दी।

अमित शाह की बैठक में पूर्व गृहमंत्री को जाने से रोका

रायपुर,23 जुलाई 2023(ए)। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की बैठक में प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर की नो-एंट्री ने सियासी गलियारे में खलबली मचा दी है। बताया जाता है कि श्री शाह की बैठक में शामिल होने पहुंचे श्री कंवर को मुख्य गेट में प्रवेश ही नहीं करने दिया गया।

सूत्रों की माने तो इस बैठक में छत्तीसगढ़ भारतीय जनता पार्टी के चुनाव प्रभारी मनसुख मंडाविया भी उपस्थित थे। बताया जाता है कि पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह के अलावा अन्य भाजपा नेता पहले से ही भाजपा कार्यालय पहुंच गए थे। वहीं श्री शाह से मिलने और बैठक में शामिल होने पहुंचे पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर के वाहन को मुख्य प्रवेश द्वार पर ही रोक दिया गया। श्री कंवर के वाहन में सवार होने के बाद भी उन्हें भीतर प्रवेश नहीं करने दिया गया। इस बात को लेकर अब राजनीति गलियारे में तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर को भाजपा कार्यालय में नहीं जाने दिया गया, कुछ समय बाद श्री कंवर वापस लौट गए।

श्री शाह द्वारा लिए गए इस बैठक में प्रदेश के कई बड़े नेता शामिल हुए, लेकिन इससे पहले पूर्व गृहमंत्री को बीजेपी कार्यालय में एंट्री नहीं मिलने के कारण सियासी गलियारे में खलबली मच गई है। इस बैठक में प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, सह प्रभारी नितिन नबीन भी शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, भाजपा के महामंत्री ओपी चौधरी, केदार कश्यप, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जैसे नेता बैठक में शामिल हुए। जानकारों की माने तो बैठक में शामिल होने वाले नेताओं की सूची पहले से ही बन गई थी, इस बैठक में अन्य किसी नेता को शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई थी।

छत्तीसगढ़ में आगामी चुनाव के लिए प्रदेश चुनाव समिति का गठन किया गया

» दीपक बैज बनाए गए चेयरमैन, सीएम बघेल समेत 22 नेताओं के नाम शामिल

रायपुर,23 जुलाई 2023 (ए)। कांग्रेस अध्यक्ष ने छत्तीसगढ़ में आगामी विधानसभा चुनाव-2023 के लिए प्रदेश चुनाव समिति के गठन के प्रस्ताव को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दे दी है। प्रदेश चुनाव समिति में मुख्यमंत्री बघेल समेत 22 नेताओं के नाम शामिल है।

प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी की विस्तारित बैठक रविवार को राजीव भवन में हुई। यह बैठक पदाधिकारियों से फीडबैक लेने के लिए रखी गई थी। इस बैठक में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, मंत्री मोहन मरकाम, मंत्री कवासी लखमा और तमाम सीनियर नेता मौजूद थे। सभी बड़े नेता पदाधिकारियों से चर्चा कर फीडबैक लिए। इस बैठक में प्रदेश प्रभारी डॉ. चंदन यादव, सप्तगिरी शंकर उल्का, सह प्रभारी विजय जांगिड भी पहुंचे हैं। इनके अलावा जिला अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष एवं मोर्चा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष भी शामिल थे।

एसआई भर्ती परीक्षा मामले में

गर्भवती अभ्यर्थी ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

रायपुर,23 जुलाई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग के एसआई भर्ती परीक्षा के लिए पात्र महिला अभ्यर्थियों के लिए यह राहत की खबर है कि हाईकोर्ट ने एक गर्भवती महिला अभ्यर्थी की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य के गृह विभाग और अन्य को सुनवाई की अगली तारीख तक उप-निरीक्षक भर्ती श्रेणी में एक पद खाली रखने का निर्देश दिया है।

सूत्रों ने बताया कि याचिकाकर्ता रोशनी केरकेट्टा ने अपनी गर्भावस्था के कारण शारीरिक परीक्षण की अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया था। जस्टिस पी सैम कोशी की बेंच ने प्रतिवादियों को दो हफ्ते के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने मामले को 21 अगस्त से शुरू होने वाले सप्ताह के दौरान आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। रोशनी केरकेट्टा ने अपने वकील शाल्विक तिवारी के माध्यम से दलील दी कि जब भर्ती प्रक्रिया चल रही थी तब उसकी शादी हो गई और बाद में वह गर्भवती हो गई। वर्तमान में, वह छह महीने की गर्भवती है, और उसकी अपेक्षित डिलीवरी की तारीख नवंबर 2023 के आसपास है। अपनी स्थिति को देखते हुए रोशनी केरकेट्टा ने अधिकारियों से शारीरिक परीक्षण को बाद की तारीख के लिए स्थगित करने का औपचारिक अनुरोध किया। लेकिन उसे सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली।

इसके बाद उसने 24 जुलाई, 2023 को होने वाले शारीरिक मानक परीक्षण को छह महीने के लिए स्थगित करने की मांग करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट में दो उल्लेखनीय कानूनी उदाहरणों का हवाला दिया। जिसमें कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की स्थितियों को देखते हुए शारीरिक मानक परीक्षण/शारीरिक दक्षता परीक्षा को स्थगित करने की अनुमति दी थी। पिछली सुनवाई के दौरान उप महाधिवक्ता ने कोर्ट से मामले की सुनवाई अगले सप्ताह के लिए निर्धारित करने का अनुरोध किया था। यह अतिरिक्त समय उन्हें विभाग में उच्च अधिकारियों से उचित निर्देश प्राप्त करने में सक्षम करेगा, जिससे याचिकाकर्ता द्वारा उठाई गई चिंताओं पर एक अच्छी तरह से सूचित और व्यापक प्रतिक्रिया सुनिश्चित होगी।

तकनीकी खराबी आने से इंडिगो की इंदौर फ्लाइट नहीं भर पाई उड़ान

रायपुर,23 जुलाई 2023(ए)। राजधानी रायपुर से इंदौर के लिए रवाना होने वाली इंडिगो की फ्लाइट तकनीकी खराबी के कारण टेक ऑफ नहीं कर पाई। करीब एक घंटे के मशक्कत के बाद भी जब इंजीनियरों की टीम खराबी दूर नहीं कर पाई, तब कहीं जाकर यात्रियों को विमान से बाहर उतारा गया। इस दौरान यात्री हलाकान होते रहे। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक रायपुर से इंदौर जाने वाली फ्लाइट उड़ान के लिए तैयार थी, लेकिन टेक ऑफके ठीक पहले फ्लाइट कैप्टन और विमान चालक के दलों को विमान में आई तकनीकी गड़बड़ी का पता चल गया। उन्होंने तत्काल एटीसी को इसकी जानकारी दी। इसके बाद एटीसी ने उन्हें उड़ान की अनुमति नहीं दी। फ्लाइट को रन-वे से वापस टैक्सी करते हुए तत्काल तकनीशियनों को बुलाया गया और तकनीकी खराबी दूर करने का प्रयास किया गया। लेकिन करीब एक घंटे बाद भी तकनीकी दिक्कतों को दूर नहीं किया जा सका।

मुआवजा क्या परिवार की खुशियां वापस ला सकता है : अमर अग्रवाल

बिलासपुर-रायपुर ,23 जुलाई 2023(ए)। अवैध रेत घाट में डूबे दिवंगत बच्चियों के दर्दनाक मौत पर पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल ने पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर अपनी संवेदना व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने राज्य के कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि क्या मुआवजा मिलने से इस परिवार की खुशियां वापस आ सकती है? उन्होंने सीधे-सीधे आरोप लगाते हुए कहा कि अवैध तरीके से हो रहे रेत के उत्खनन से यह हादसा हुआ है, इसका जिम्मेदार कौन है? सरकार के पाले हुए गुर्गों के कारनामों से एक खुशहाल घर की रोशनी चली गई और बदले में सरकार मुआवजे का लेपन लगाकर अपना पॉप छुपाने का काम कर रही। पूरे प्रदेश में भूपेश बघेल के सह पर रेत का अवैध व्यापार चलाया जा रहा है। सरकार से जुड़े हुए लोग बेखौफ होकर काम कर रहे है और इसकी कीमत प्रदेश की भोली भाली जनता अपना जान देकर चुका रही है।

ग्राम पंचायत सेंदरी के रेत घाट में मृत बच्चियों के परिवार को संवेदना व्यक्त करने पहुंचे पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल अत्यंत ही भावुक नजर आए। उन्होंने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा देते हुए कहा कि मानवीय मूल्यों की कभी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। राज्य सरकार के पैसे कमाने की भूख ने बच्चों से भरी किलकारी मारते हुए आंगन को सुना कर दिया। मैं प्रदेश के मुखिया से पूछता हु कि क्या आपके इस चंद मुआवजे से इनके जान की क्षति पूर्ति की जा सकती है। यदि सरकार दिवंगत मासूम बच्चियों एवं पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना रखती है तो दोषियों पर तुरंत कार्यवाही करें और पूरे छत्तीसगढ़ में रेत के अवैध खनन को तत्काल प्रभाव से बंद करे। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष जनक देवांगन,लक्ष्मी सिन्हा, केशव चतुर्वेदानी, राज कैवर्त सहित ग्रामीण एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

ईडी की रिमांड पर चल रही आईएएस रानू साहू की बढ़ी मुश्किलें

रायपुर,23 जुलाई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ कोल और लेवी घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय के शिकंजे में फंसी आईएएस अफसर रानू साहू की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। शुक्रवार को उनके आवास में छापामार कार्यवाही करने के बाद ईडी ने कल उन्हें विशेष अदालत में पेश किया था। अदालत ने उन्हें 3 दिन की रिमांड पर भेजा है। दूसरी ओर ईडी का ध्यान अब उन स्थानों पर भी है जहां रानू साहू बतौर कलेक्टर पोस्टेड थी। जानकारों की माने तो रानू साहू अब तक जहां भी पदस्थ रही हैं, वहां डीएमएफ का फंड सबसे ज्यादा था। लिहाजा ईडी के रडार में अब ये स्थान और वहां के कुछ विशेष लोग भी आ गए हैं।छत्तीसगढ़ में ईडी की छापेमार कार्यवाही से खासी खलबली मची हुई है। ईडी के राडार में आईएएस अफसर रानू साहू के आने के बाद से ही नए-नए तथ्य और जानकारियां निकलकर सामने आ रही है। सूत्रों की माने तो ईडी के हाथ कुछ ऐसे क्लू मिले हैं, जिनसे ईडी अब अपनी जांच का एक बिंदु उन स्थानों पर फोकस कर रही है, जहां रानू साहू अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। ज्ञात हो कि रानू साहू कलेक्टर बनने के बाद सबसे पहले कांकेर जिले में पोस्टेड रही हैं। इसके बाद उन्हें बालोद, कोरबा और रायगढ़ जिले की कमान भी संभालने का मौका मिला था। इन स्थानों पर अपनी सेवाओं के दौरान आईएएस अफसर रानू साहू अपने कामों को लेकर खासी चर्चाओं में भी रही है। ईडी का माथा इन स्थानों से आने वाले डीएमएफ फंड को लेकर खटक गया है। सूत्रों की माने तो कोरबा और रायगढ़ जिले ऐसे हैं, जहां से डीएमएफ का सबसे ज्यादा फंड आता है। लिहाजा डीएमएफ फंड को लेकर भी ईडी को कुछ बात खटक रही है। सूत्रों की माने तो ईडी अब इन जिलों और यहां से जुड़े कुछ लोगों के ठिकानों पर जांच कर सकती है।

नक्सलियों ने शहीद सप्ताह मनाने को लेकर रेलवे स्टेशन में लगाया बैनर

दंतेवाड़ा,23 जुलाई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के एक रेलवे स्टेशन में नक्सलियों ने बैनर लगाया है। इसमें माओवादियों ने 28 जुलाई से 3 अगस्त तक शहीदी सप्ताह मनाने का ऐलान किया है। ग्रामीण वेशभूषा में पहुंचे नक्सलियों ने रेलवे स्टेशन में कर्मचारियों की उपस्थिति में बैनर लगाकर जंगल की तरफ लौट गए। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे और बैनर को निकाल दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार देर शाम करीब 5-6 नक्सली ग्रामीण वेशभूषा में भांसी रेलवे स्टेशन पहुंचे। नक्सली जंगल की तरफ से आए थे। फिर अपने पास रखे बैनर को स्टेशन में बीचो-बीच बांधकर जंगल की तरफ चले गए। बैनर में लिखा है कि, अमर शहीदों के

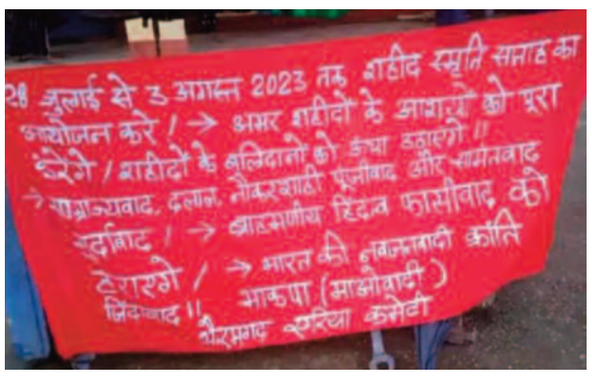

फिलहाल यात्री ट्रेनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। मामला जिले के भांसी थाना क्षेत्र के भांसी रेलवे स्टेशन का है।

आशयों को पूरा करेंगे। पूंजीवाद, सम्राज्यवाद, नौकरशाही का विरोध किया है। नक्सली हर साल 27 जुलाई से 3 अगस्त तक शहीदी सप्ताह मनाते हैं। इस दौरान वे पुलिस की गोलियों से अपने मारे गए साथियों को याद करते हैं। बताया जा रहा है कि, बैनर लगाने के दौरान रेलवे के सारे कर्मचारी भी स्टेशन में मौजूद थे। हालांकि, नक्सलियों के लौटने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बैनर निकाल लिया है।

वहीं, नक्सलियों के शहीदी सप्ताह को देखते हुए दंतेवाड़ा से किरंदुल के बीच यात्री ट्रेनों को भी रद्द कर दिया गया है। किरंदुल से विशाखापट्टनम तक चलने वाली पैसेंजर और नाइट एक्सप्रेस ट्रेन अब 3 अगस्त तक सिर्फ दंतेवाड़ा स्टेशन तक ही आएगी। दंतेवाड़ा से आगे किरंदुल नहीं जाएगी। हालांकि, किरंदुल-बचेली से आयरन और लेकर विशाखापट्टनम जाने वाली मालगाड़ियों की आवाजाही बरकरार रहेगी। उनकी रफ्तार धीमी रहेगी।

छत्तीसगढ़ कैडर के इस आईपीएस अफसर को मिली सीबीआई एंटी करप्शन विंग की जिम्मेदारी

रायपुर,23 जुलाई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ कैडर के आईपीएस अधिकारी अमित कुमार का ट्रांसफर किया गया है। आईपीएस अधिकारी अमित कुमार का तबादला अब सीबीआई की एंटी करप्शन विंग में कर दिया गया है।

आईपीएस अधिकारी अमित कुमार 1998 बैच के अधिकारी हैं। 2011 से वे डेपुटेशन पर सीबीआई में हैं, वहीं 2019 में उन्हें संयुक्त निदेशक का पदभार दिया गया था। अमित कुमार पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू प्रसाद यादव के चारा घोटाले की जांच भी कर चुके हैं। बता दें कि साल 2008-2009 में आइपीएस अमित कुमार रायपुर एसपी भी रहे हैं।

नक्सलियों ने की ग्रामीण की हत्या

नारायणपुर ,23 जुलाई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले में मानव तस्करी के शक में नक्सलियों ने एक ग्रामीण की हत्या कर दी है। माओवादियों ने ग्रामीण की रस्सी से गला घोंट कर वारदात को अंजाम दिया है। घटना की पुष्टि नारायणपुर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार ने की है। बताया जा रहा है कि, यह घटना शुक्रवार रात की है। मामला छोटेडोंगर थाना क्षेत्र के ग्राम कलेपाल रोहताड़ का है।

पुलिस ने बताया कि, आमदई एरिया कमेटी के नक्सलियों ने सुकासिंह कचलाम को मानव तस्करी में एजेंट का काम करने का आरोप लगाकर उसकी हत्या कर दी। नक्सलियों का आरोप है कि मृतक ग्रामीण क्षेत्र के भोले-भाले आदिवासियों को अन्य राज्यों में काम दिलाने के नाम पर एजेंट का काम किया करता था। इसके फलस्वरूप नक्सलियों ने हत्या को अंजाम दिया। नक्सलियों ने मौके पर पर्चा छोड़ चेतावनी भी दी है। नारायणपुर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार ने कहा कि, मृतक ग्रामीण का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस इस मामले में अज्ञात नक्सलियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर कार्रवाई में जुट गई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)